● वर्ष-2
● अंक-225
रायपुर, शुक्रवार
12 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

तीसरे मोर्चे की कवायद को 'नवीन' झटका

प्रधानमंत्री से मिले नवीन पटनायक, बोले - तीसरे मोर्चे की कोई संभावना नहीं है

नई दिल्ली। देश में 2024 चुनाव को लेकर राजनीतिक गठबंधन ओं की कवायद लगातार जारी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। विपक्षी दलों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने कुछ दिन पहले ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से मुलाकात की थी। हालांकि, आज नवीन पटनायक दिल्ली दौरे पर हैं। दिल्ली में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद नवीन पटनायक ने कहा कि मैं पीएम से मिला और हमने उड़ीसा की मांग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मैंने अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए बात की थी जिसे हमें पुरी में स्थापित करना है, भुवनेश्वर में अब बहुत अधिक ट्रैफिक हो रहा है इसलिए हम एक विस्तार चाहते हैं। पीएम ने कहा कि वह निश्चित रूप से हर संभव मदद करेंगे।

ओडिशा के सीएम ने कहा कि पीएम ने कहा कि वह निश्चित रूप से हर संभव मदद करेंगे। वहीं, उनसे पत्रकारों ने राजनीतिक सवाल भी पूछे। उन्होंने कहा कि जहां तक ??मेरा संबंध है, तीसरे मोर्चे की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने अपने पार्टी को लेकर कहा कि हम अपने स्टैंड पर कायम हैं। पटनायक ने इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव से एक महीने पूर्व 30 मई, 2022 को मोदी से मुलाकात की थी। नीतीश ने मंगलवार को भुवनेश्वर में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से भी मुलाकात की थी। पटनायक 13 मई को ओडिशा लौटेंगे। पटनायक के दिल्ली के अचानक दौरे से यह अटकलें तेज हो गईं कि बीजद अध्यक्ष कुछ विपक्षी नेताओं से मिल सकते हैं।

शरद पवार व नीतिश कुमार मिले, बनी सहमति

पिछले कई दिनों से विपक्षी एकता की कवायद में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री आज महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। महाराष्ट्र में उन्होंने एमसीपी सुप्रीमो और देश के वरिष्ठ नेताओं में से एक शरद पवार से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने मिलकर काम करने पर सहमति बनी है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात के बाद बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि देश में बीजेपी जो कर रही है वो देश के हित में नहीं है इसलिए हम चाहते हैं कि सभी विपक्षी दल एक साथ हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने आज बातचीत की और सभी दलों से भी बातचीत हुई है, सबकी सहमति हो रही है। हम सब एक साथ बैठकर निर्णय लेंगे। आज बहुत अच्छी चर्चा हुई और अब देश के हित में सब कुछ होने जा रहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या शरद पवार विपक्षी गठबंधन का मुख्य चेहरा होंगे, बिहार के सीएम नीतीश कुमार कहा कि इससे ज्यादा सुखद कुछ नहीं होगा ... मैंने उनसे कहा है कि उन्हें न केवल अपनी पार्टी बल्कि उन्हें संपूर्ण देश को मजबूत करने के लिए काम करना है। शरद पवार ने कहा कि मिलकर काम करना होगा, चेहरे पर फैसला बाद में होगा। पवार ने कहा कि आज हमारी अच्छी मुलाकात हुई है। देश का आज जो माहौल है वो सब देखने के बाद देश की प्रजातंत्र को बचाने के लिए हमें मिलकर काम करने की आवश्यकता है और हम इसका समर्थन करते हैं।

शरद पवार ने यह भी कहा कि देश के हालात को देखते हुए लोकतंत्र को बचाने के लिए मिलकर काम करना जरूरी है. ऐसा लगता है कि अगर हम मिलकर काम करेंगे तो देश को जिस विकल्प की जरूरत है, उसके लिए समर्थन मिलेगा। कल कर्नाटक में चुनाव था। मेरी जानकारी के अनुसार, वहां के लोग बीजेपी को हटा देंगे और एक धर्मनिरपेक्ष सरकार चुनेंगे। इससे पहले नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि अगर अधिक से अधिक विपक्षी दल एक साथ काम करते हैं और एकजुट होते हैं तो अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ मुकाबले में अच्छे परिणाम आएंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ मुंबई में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता उद्धव ठाकरे के आवास पर उनसे मुलाकात करने के बाद कुमार संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

नीतीश-उद्धव मुलाकात

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए है। आज वह मुंबई के दौरे पर हैं। मातोश्री में उन्होंने शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि पूरे देश में अधिक से अधिका पार्टियां एकजुट हों, मिलकर हम सब लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आज जो केंद्र में है वे देश के लिए कोई काम नहीं कर रहे हैं इसलिए देश के हित में हम सब मिलकर लड़ेंगे। अब यह तय होगा कि कब सबकी मीटिंग होगी।

वहीं, उद्धव ठाकरे ने कहा कि इस देश में प्रजातंत्र की रक्षा करना हमारा काम है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर मैं इस्तीफा नहीं देता तो शायद मैं फिर मुख्यमंत्री बन जाता। मैं मेरे लिए नहीं लड़ रहा, मेरी लड़ाई जनता के लिए, देश के लिए है। राजनीति में मतभेद होते रहते हैं लेकिन हमारा एक मत यह है कि इस देश को बचाना है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री

इन दिनों

✍ योगेंद्र योगी

पायलट-गहलोत के घमासान में फंसी भाजपा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अनदेखी से राजस्थान में कांग्रेस दो फाड़ होने के कगार पर पहुंच गई है। पायलट और गहलोत एक-दूसरे के खिलाफ खुल कर सामने आ गए हैं। पायलट इस आरोप को दोहराते रहे हैं कि मुख्यमंत्री गहलोत वसुंधरा राजे सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार के मामलो की जांच नहीं करा रहे हैं। पायलट की इस मांग की काट निकालते हुए गहलोत ने इस मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए पायलट के पार्टी छोड़ने के दौरान किए विद्रोह और इसके लिए विधायकों को करोड़ों रुपयों की रिश्वत का मुद्दा उठा दिया। गहलोत ने वसुंधरा राजे और वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने सरकार गिराने की कवायद में साथ देने से इंकार कर दिया था। इससे आगे एक ओर दांव चलते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने सचिन पायलट का नाम लिए बगैर कहा कि जिन विधायकों ने उनकी सरकार को गिराने के लिए अमित शाह से रुपए लिए, वे उन्हें वापस लौटा दें। गहलोत यहां तक कह गए कि यदि विधायकों ने 10 करोड़ में से कुछ करोड़ खर्च कर दिए हैं तो इसकी भरपाई वे खुद कर देंगे या अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से करवा देंगे। गहलोत ने पायलट समर्थक विधायकों को चेताया कि शाह का भरोसा नहीं है, यदि रुपए वापस नहीं दिए उनके खिलाफ ईडी की कार्रवाई करवा सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री राजे भी कह चुकी हैं कि ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं हुआ। भाजपा के केंद्रीय जल संसाधन मंत्री और गहलोत के गृह जिले में उनके बेटे वैभव गहलोत को हरा कर सांसद बने गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस विवाद में सवाल किया कि यदि गहलोत के पास विधायकों को रिश्वत लेने के प्रमाण हैं तो अभी तक कोई कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई? गौरतलब है कि गहलोत और शेखावत में भी जोधपुर में हुए संजीवनी क्रेडिट सोसायटी घोटाले को लेकर अर्से से अदावत चल रही है। इस मामले की राजस्थान एसओजी जांच कर रही है। इसमें केंद्रीय मंत्री शेखावत का नाम आरोपियों में शामिल है। मौके-बेमौके गहलोत इस घोटाले का मुद्दा उठाते रहे हैं। चुनावी वर्ष में प्रदेश में उठ रहे राजनीतिक बंवडरों की चपेट में आने से पूर्व मुख्यमंत्री राजे को भी तगड़ा झटका लगा है। लंबे अर्से से पार्टी में वनवास की हालत झेलने के बाद राजे ने केंद्र से अपने संबंधों में जो सुधार की कोशिश की थी, उससे नुकसान होना तय है। बड़ा सवाल देश जोड़ने के लिए यात्रा निकालने वाले राहुल गांधी के राजस्थान कांग्रेस में होते बिखराव को देखते रहने का है। कमोबेश पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता पायलट-गहलोत विवाद में मूक दर्शक बने रहे। राजस्थान में गुर्जरों के निर्विवाद प्रभावशाली नेता माने जाने वाले सचिन पायलट और मुख्यमंत्री गहलोत के बीच ऐसी ठन गई है कि इसका समाधान अब कांग्रेस के बूते से बाहर हो गया है। सचिन पायलट और मुख्यमंत्री गहलोत एक-दूसरे पर जमकर राजनीतिक प्रहार करने में जुटे हुए हैं।

मुंबई में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जश्न मनाते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस।

भारत में पहली बार हुई ड्रोन से ब्लड डिलीवरी

नई दिल्ली। पूरे देश में अब ड्रोन के जरिए रक्त की आपूर्ति करने का सपना जल्द ही हकीकत में तब्दील हो सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने गुरुवार को अपनी 'आई-ड्रोन' पहल के तहत ड्रोन के जरिए ब्लड बैग की आपूर्ति का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह पहल भारत में ड्रोन पारिस्थितिकी का विस्तार करने के राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है। आईसीएमआर ने सबसे पहले दूरदराज के इलाकों तक टीका पहुंचाने के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान 'आई-ड्रोन' का इस्तेमाल किया था।

आईसीएमआर के महानिदेशक ने क्या कहा है

इस पर बोलते हुए आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा है कि "आज, हम रक्त तथा रक्त से संबंधित उत्पाद भेज रहे हैं जिन्हें कम तापमान पर रखा जाता है। इस प्रयोग के बाद हमने पाया कि हम न केवल तापमान बनाए रख सकें बल्कि उत्पादों को कोई नुकसान भी नहीं हुआ।" उन्होंने कहा, "हमने एक एम्बुलेंस के जरिए एक अन्य नमूना भेजा और अगर दोनों तरीकों का इस्तेमाल कर भेजे गए नमूनों में कोई अंतर नहीं है तो फिर पूरे भारत में ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा।"

बहल ने आगे कहा है कि "डिजीटलीकरण के साथ टीकों के प्रभावी निर्माण और त्वरित आपूर्ति प्रणाली विकसित होने से भारत ने एक साल के भीतर 90 फीसदी कवरेज हासिल की। आईसीएमआर, दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज तथा नोएडा के जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के संयुक्त प्रयासों से देश में पहली बार का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है।

ये देश पहले से कर रहे है ड्रोन का इस्तेमाल

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, परीक्षण के तौर पर ड्रोन गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज तथा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के बीच 10 यूनिट रक्त लेकर गया। घाना तथा अमेरिका समेत कुछ देश ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों तक रक्त, टीके, दवाइयां, चिकित्सा सामान तथा कई बार मानव अंगों की आपूर्ति के लिए ड्रोन का पहले से ही इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्रमुख समाचार

जदय के पूर्व अध्यक्ष आरसीपी सिंह भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता आरसीपी सिंह गुरुवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा में शामिल हो गए। जदयू के पूर्व अध्यक्ष ने पिछले साल पार्टी छोड़ दी थी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। उन्हें जरा सोचना चाहिए कि देश कहां से कहां चला गया और बिहार कहां हैं। कभी नीतीश के सबसे करीबी रहे आरसीपी ने कहा कि उन्हें %ष्ट% शब्द से बड़ा प्यार है, सी से चेयर होता है इसलिए कुर्सी के मोह में सारा काम कर रहे हैं। आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार को सब पीएम कहते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कहा कि मैंने भी उन्हें कहा कि आप पीएम थे, पीएम हैं और पीएम रहेंगे।

मेरी खिलाड़ियों से अपील, धरना समाप्त करेः अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि खिलाड़ियों ने कमेटी की मांग की थी जिसका गठन कर जांच की गई। आईक्यूए को एड-हॉक कमेटी बनाने के लिए कहा गया जिसका गठन किया गया। पुलिस को भी एफआईआर दर्ज़ करने के लिए कहा गया और उन्होंने भी एफआईआर दर्ज़ की। उच्च न्यायालय ने मामले को खारिज करते हुए कहा कि आगे की कार्रवाई के लिए निचली अदालत जाएं। उन्होंने जो बातें रखी वह पूरी हुई हैं। मेरी खलिाड़ियों से अपील है कि वह अपना धरना समाप्त करें और जांच पूरी होने का इंतज़ार करें। %द केरल स्टोरी% पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने धर्मशाला में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं किसी राज्य को टैक्स फ्री करने के लिए नहीं कहूंगा लेकिन प्रतिबंध न लगाएं। फिल्म देखना लोगों का अधिकार है। फिल्म का विरोध करने वाले लोग क्या उनके साथ हैं जो दुनिया में आतंकी घटनाओं को बढ़ाते हैं। क्या वह उनके साथ हैं जो धर्मांतरण के लिए मजबूर करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान की गिरफ्तारी को बताया अवैध

नई दिल्ली। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया है। कोर्ट ने पहले तो इमरान को अदालत के समक्ष 1 घंटे में पेश होने के आदेश दिए। जिसके बाद पुलिस इमरान को लेकर कोर्ट पहुंची। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के लिए एक बड़ी राहत मिली है। पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित कर दिया है। पीटीआई प्रमुख को अदालत में पेश किए जाने के कुछ ही देर बाद यह आदेश आया। कोर्ट ने कहा कि इमरान खान को तुंरत रिहा किया जाए। सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने गुरुवार को राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान को एक घंटे के भीतर पेश करने का निर्देश दिया। ये निर्देश सुप्रीम कोर्ट (एससी) की तीन सदस्यीय पीठ ने दिए।

सचिन पायलट ने अजमेर से शुरु की जन संघर्ष यात्रा

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव से पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव बनाने के लिए पार्टी नेता सचिन पायलट ने गुरुवार को अजमेर से पांच दिवसीय जन संघर्ष यात्रा की शुरुआत की। अपनी इस यात्रा के दौरान पायलट भ्रष्टाचार और पेपर लीक के मुद्दों पर पांच दिन में 125 किमी की दूरी तय करेंगे। इससे पायलट और गहलोत की तकरार और बढ़ सकती है। इसके अलावा सचिन पायलट के इस जन संघर्ष यात्रा का कांग्रेस भी समर्थन नहीं कर रही है। हालांकि, सचिन पायलट ने कहा कि वसुंधरा राजे के कार्यकाल में लगातार भ्रष्टाचार हुआ। उस समय मैंने अध्यक्ष रहते हुए आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि जनता को हमने ये आश्वासन दिया कि सत्ता में आएंगे तो दूध का दूध पानी का पानी करेंगे।

नकली नोट मामले में एनआईए ने 6 जगहों पर मारे छाप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को 2021 के नौपाड़ा मामले में मुंबई में आधा दर्जन स्थानों पर तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। मामला उच्च गुणवत्ता वाले नकली भारतीय मुद्रा नोटों (स्त्रद्बष्ठ्र) की जब्ती से संबंधित है। जांच एजेंसी ने तेज धार वाले हथियार, डिजिटल उपकरण और दस्तावेज बरामद किए, जो नकली मुद्रा रैकेट में डी-कंपनी (दाऊद इब्राहिम कास्कर कंपनी) के साथ सीधा संबंध स्थापित करने वाले एनआईए के पहले के निष्कर्षों की एक मजबूत पुष्टि है। एनआईए के सूत्रों ने दावा किया कि मामले की एनआईए जांच के दौरान भारत में एफआईसीएन के प्रचलन में डी-कंपनी की भूमिका प्रथम दृष्टया स्थापित हुई है। यह मामला 2000 रुपये मूल्यवर्ग के नकली भारतीय नोटों की जब्ती से संबंधित है।

पवार, पावर और राजनीतिक गुगली के बीच भाजपा की चुनावी चौसर

शंकर अय्यर

कहते हैं कि राजनीति में एक हफ्ते का समय काफी लंबा होता है। लेकिन महाराष्ट्र के उथल-पुथल भरे राजनीतिक परिदृश्य में आधा हफ्ता भी बहुत है। पिछले मंगलवार को शरद पवार ने घोषणा की कि वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख के रूप में अपने पद से हट रहे हैं। इस घोषणा से महाराष्ट्र और राष्ट्रीय राजनीति में हलचल मच गई तथा इसके कारणों और परिणामों के बारे में अटकलें लगाई जाने लगीं। इससे यह अंदाजा लगाया गया कि इसने उनके भतीजे अजित पवार के लिए रास्ता खोल दिया, जो अपने गुट के साथ भाजपा से जुड़कर मुख्यमंत्री बनने के अपने लक्ष्य से हटे नहीं हैं। लेकिन पता चला है कि शरद पवार का उत्तराधिकारी चुनने के लिए बनाई गई कमेटी ने उनके इस्तीफे को खारिज कर दिया। तीन दिन बाद 82 वर्षीय शरद पवार ने कमेटी की रिपोर्ट और जनभावना का हवाला देते हुए इस्तीफा वापस ले लिया।

भारत का राजनीतिक इतिहास इस्तीफे और उसकी वापसी से भरा पड़ा है। महत्व समय और राजनीतिक परिस्थिति का है। अब अटकलें ये हैं कि चतुर मराठा बाहुबली ने अजित पवार को प्रभावी रूप से अलग-थलग कर उनकी महत्वाकांक्षाओं को धता बता दिया है। शरद पवार की राजनीतिक चाल ही ऐसी है कि अजित पवार को सशक्त और अशक्त बनाने के दोनों सिद्धांत विश्वसनीय और निराधार हो सकते हैं। यहां तक कि री-लैट जैसे जुए के खेल में रूसियों को मात देने वाली क्रोएशियाई प्रतिभा को भी पवार की राजनीति को विश्लेषित करने में परेशानी होगी।

अपने करियर की शुरुआत में ही पवार ने दुस्साहसिक महत्वाकांक्षा प्रदर्शित की थी। वर्ष 1978 में युवा पवार ने (अपने गुरु वाई बी चव्हाण के फरमान पर) महाराष्ट्र में वसंतदादा पाटिल की सरकार गिरा दी थी और विभिन्न पार्टियों का गठबंधन तैयार कर 38 साल की उम्र में महाराष्ट्र के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने थे। 1980 में सत्ता से बेदखल होने पर पवार ने महाराष्ट्र के हर जिले का दौरा किया और किंवदंती है कि वह महाराष्ट्र के 288 विधानसभा क्षेत्रों के राजनीतिक कार्यकर्ताओं को उनके नाम से जानते-पहचानते हैं।

जमीनी हकीकत से यह जुड़ाव पवार की ताकत के लिए अहम है। उनका यह कौशल चार दशक बाद काम आया था, जब उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय से जुड़े एक मामले में लगाए गए आरोप का इस्तेमाल करते हुए भाजपा को बहुमत पाने से रोक दिया था। उन्होंने अजित पवार द्वारा भाजपा के साथ सरकार बनाने के प्रयास पर भी रोक लगाई-भले ही राजनीतिक गलियारों में कहा जाता है कि इसे पवार की मंजूरी थी। फिर उन्होंने महाविकास अघाड़ी के गठन के लिए शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस का एक अभूतपूर्व गठबंधन बनाया। विडंबना यह है कि उनकी पार्टी में कई लोग मानते हैं कि अजित पवार भाजपा के साथ गठबंधन बनाने के लिए राकांपा को तोड़ने के लिए तैयार हैं और इसलिए अटकलों का बाजार गर्म है।

रणनीतिक स्वायत्तता के विचार को शरद पवार ने तब अपनाया था, जब भू-राजनीति में इसका चलन भी नहीं था, और जो कांग्रेस के आलाकमान की संस्कृति से बहुत अलग था। दरअसल चंद्रशेखर के साथ उनकी दोस्ती ने उन्हें 1990 में राजीव गांधी के साथ परेशानी में डाल दिया। पवार की विभिन्न दलों के नेताओं के साथ मित्रता रही है, चाहे वह दक्षिण में जयललिता या करुणानिधि रहे हों और उत्तर में शेख अब्दुल्ला या बादल। हालांकि उनकी पार्टी (पहले कांग्रेस-एस और अब राकांपा) ने शायद ही कभी रिकॉर्ड बनाए हों, पर पवार ने अपनी पार्टी के चुनावी प्रोफाइल से ज्यादा दम दिखाया है। दशकों तक पवार ने %संभावित प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार% के उपनाम को बरकरार रखा। यह इसलिए कि राजनीति, व्यापार, खेल और समाज में व्यापक नेटवर्क के साथ उन्हें प्रशासन में महारत हासिल है और वह उदारीकरण के समर्थक हैं।

पवार की राजनीति की व्याख्या करने के लिए उनके व्यक्तित्व के लचीलेपन को समझने की आवश्यकता है। 1999 में वह सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे पर कांग्रेस से अलग हो गए और राकांपा बनाई। इसके बाद उन्होंने 1999 में महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया और फिर 2004 में यूपीए के सदस्य के रूप में केंद्र में मनमोहन सिंह सरकार में शामिल हो गए। हाल की घटनाओं ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया।

शराब घोटाला : भाजपा मंडल कुकरेल ने मुख्यमंत्री का किया पुतला दहन

नगरी। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश संगठन के आव्हान पर भाजपा मंडल-कुकरेल के तत्वधान में छत्तीसगढ़ के लबरा भूपेश बघेल कांग्रेस सरकार के 2000 करोड़ के शराब घोटाले के विरोध में कुकरेल तहसील के बस स्टैंड में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का पुतला दहन किया गया॥ तथा जमकर नारे बाजी करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से इस्तीफा देने की मांग की॥ पुतला दहन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस की झूमा-झटकी हुई और भाजपा कार्यकर्ताओं का पुतला दहन सफल हो गया॥

इस अवसर पर भाजपा मंडल-कुकरेल के प्रभारी विकल गुप्ता और मंडल अध्यक्ष वामन साहू ने कहाँ भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार ने 2000 करोड़ रूपये का शराब घोटाला किया है, जब से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आयी हैं तब से प्रदेश में भ्रष्टाचार, घोटाला, लूटमार, हत्या, डकैती, अपहरण, बलत्कार की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई है॥ कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने भ्रष्टाचार में नये-नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं॥ कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले प्रदेश की जनता के साथ गंगाजल की कसम खाकर प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी करने का वादा किया था॥ लेकिन भूपेश सरकार खुद ही शराब की बिक्री को बढ़ावा दे रही है एवं भ्रष्टाचार कर खुद ही भ्रष्टाचार में फंस गई॥

पुतला दहन कार्यक्रम में मंडल प्रभारी विकल गुप्ता,, मंडल अध्यक्ष वामन साहू,, भाजपा महिला मोर्चा जिला प्रचार प्रसार जिला प्रभारी अनीता ध्रुव जिला पंचायत सदस्य,, महामंत्री अजय यादव,, संजय शांडिल्य मरकाम,, महेश गोटा सरपंच,, चन्द्रकला साहू मंडल उपाध्यक्ष,, पूर्व मंडल अध्यक्ष टेलेश्वर ठाकुर,, महिला मोर्चा मंडल-अध्यक्ष ईश्वरी ध्रुव,, युवा मोर्चा मंडल-अध्यक्ष शैलेन्द्र साहू,, मंडल महामंत्री इन्द्राणी निषाद,, त्रिवेणी विश्वकर्मा,, पदमा कंवर,, माधुरी दीवान पूर्व सरपंच,, सुरजोतिन ध्रुव, मंगल राम सिन्हा,, टिकेश्वर साहू,, शत्रुहन साहू,, भोजलाल साहू, हेमलाल साहू, सतु राम साहू, बृजलाल मंडावी, राजू नेताम, शुभम यदु, हरिराम सोरी, अंकीत यदु, समीर ठाकुर, कौशिक साहू, पितम्बर महार, भरतलाल साहू, दुर्गेश कुमार गंजीर सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शराब घोटाला को लेकर भाजपाइयों ने किया सीएम का पुतला दहन

प्रदेश की भूपेश सरकार शराबबंदी को लेकर सत्तासीन हुई। किंतु यह विडंबना है कि उनके द्वारा उनके संरक्षण में प्रदेश में समानांतर शराब का सिंडीकेट चलाकर 2000 करोड़ रुपए का घोटाला किया गया। केंद्रीय एजेंसी के जांच में यह तथ्य सत्य साबित हुआ है, उक्त शराब घोटाला के विरोध में बजरंग चौक नगरी में मण्डल प्रभारी रविशंकर दुबे व मण्डल अध्यक्ष मोहन नाहटा के नेतृत्व में भाजपाइयों द्वारा मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया।

पुतला दहन करते समय स्थानीय थानेदार ने गुस्से में आकर अपने जवानों को पानी डालने के आदेश देने के बजाय स्वयं मुख्यमंत्री के पुतले को लात से मारकर एक वाहन में फेंका। भाजपाइयों ने उस वाहन को बचाया, भाजपाई आक्रोशित होकर थानेदार को घेर लिए थे। मौके पर तहसीलदार पहुंचे सभी भाजपाइयों ने तहसीलदार को थानेदार के रवैए के प्रति शिकायत किए और उन्हें तत्काल थाने से हटाने का मांग किए।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम, जिला महामंत्री प्रकाश बैस, वरिष्ठ भाजपा नेता नागेंद्र शुक्ला, जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, रामगोपाल साहू दिनेश्वरी नेताम महेंद्र नेताम, ह्रदय साहू, राजेश गोसाईं, बलजीत छाबड़ा, अकबर कश्यप, सुलोचना साहू, हेमलता साहू, सत्यवती नेताम, अरुण प्रजापति, अजय ध्रुव, हरीश सार्वा, नरसिंह मरकाम, सन्त कोठारी, अश्वनी निषाद, नीलम साहू, चित्रांस नागवंशी, गुरुप्रसाद साहू, सुनील निर्मलकर, यस साहू, विकास सोनी, राजा पवार, सौरभ नाग, नरेंद्र साहू, द्रविड़ नाग, प्रशांत साहू व अनेक भाजपाई उपस्थित थे।

भाजपा कुदमुरा मंडल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कवासी लखमा का जलाया पुतला

कोरबा। छत्तीसगढ़ में ई डी के छापेमारी में 2000 करोड़ का घोटाला सामने आने के बाद भाजपाईयों ने प्रदेश सरकार को घेरा। जमकर आक्रोश व्यक्त करते हुए जगह जगह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और आबकारी मंत्री कवासी लखमा का पुतला जलाया जा रहा है।

इसी तारतम्य में भारतीय जनता पार्टी कुदमुरा मंडल द्वारा रजगामार अंग्रेज़ी शराब दुकान के सामने आटो स्टैंड में भी भाजपाईयों द्वारा भुपेश बघेल और कवासी लखमा का पुतला फूंका गया। इस बीच पुलिस से झुमझटकी भी हुई किन्तु भाजपाई पुतला जलाने में सफ़ल रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा ज़िला की मंत्री दीदी रेणुका राठिया, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष उमेश्वर सोनी, कुदमुरा मंडल के अध्यक्ष लक्ष्मी श्रीवास, गड उपरोड़ा मंडल के प्रभारी चंद्र प्रकाश अग्रवाल, महिला मोर्चा के अध्यक्ष श्रीमती अभिलाषा वर्मा उपाध्यक्ष सुभद्रा सिंह, मीडिया प्रभारी कृति प्रजापति, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता जयकरण तिवारी, मनोज सिंह, शरद देवांगन, शंकर लाल वर्मा, बंशी सरवा, पिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष प्रताप सोनी, विधायक प्रतिनिधि विनय पांडे, नरेश पटेल, गोपाल साहू, युवा मोर्चा के अध्यक्ष धनंजय चौहान, उपाध्यक्ष मनोज साव, पुष्पेन्द्र डडसेना, निश्चय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, सोशल मीडिया प्रभारी मंजीत सिंह यादव, राहुल राठौर, रोशन अग्रवाल कोरकोमा शक्ति केंद्र के संयोजक गेवराज कंवर, मनोज प्रजापति, छवि लाल पटेल, गजाधर वर्मा, प्रताप केवट विक्की पाटनवार, धनसाय यादव रेवती रमण, अंश श्रीवास, गुरव सिंह राठिया, बृजलाल राठिया गोडमा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आईटी सेल सोशल मीडिया जिला कोरबा की बैठक हुई

कोरबा। प्रदेश के निर्देशानुसार आई टी सेल सोशल मीडिया जिला कोरबा की आवश्यक कामकाजी बैठक जिला भाजपा कार्यालय कोरबा में रखी गई थी। बैठक में बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत डाटा एंट्री के कार्य, प्रत्येक बूथ में व्हाट्सएप ग्रुप का निर्माण, आईटी सेल सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाले चुनाव में ज्यादा से ज्यादा कैसे सक्रिय रह सके जैसे अनेक विषयों पर प्रमुख रूप से चर्चा की गई। इसके पश्चात बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आईटी सेल एवं सोशल मीडिया वर्तमान युग में ना सिर्फ भारतीय जनता पार्टी बल्कि किसी भी राजनीतिक दल के रीड की हड्डी के समान है और यदि यह अपना कार्य सुचारू रूप से कर रही है तो किसी भी संगठन के विचार जन-जन तक आसानी एवं ज्यादा बेहतर तरीके से पहुंच सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आईटी सेल एवं सोशल मीडिया को आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव के लिए कमर कसकर तैयार रहना है।

सोशल मीडिया के प्रथम जिला संयोजक व वर्तमान में जिला मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा के द्वारा प्रारंभ से लेकर अब तक सोशल मीडिया और आईटी सेल में हुए बदलावों पर प्रमुखता से प्रकाश डाला गया। इस बैठक में प्रमुख रूप से भाजपा महामंत्री संतोष देवांगन, टिकेश्वर राठिया, जिला संयोजक आईटी सेल कोरबा लक्की नंदा, जिला संयोजक सोशल मीडिया अजय चंद्रा, जिला सहसंयोजक आईटी सेल दीपक चावड़ा, कोरबा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष पंकज सोनी, सोशल मीडिया विधानसभा प्रभारी रामपुर पुष्पेंद्र डडसेना, सोशल मीडिया विधानसभा प्रभारी कोरबा सुदेश चंद्रा, आईटी सेल विधानसभा प्रभारी रामपुर पवन मैत्री, रूपेश कुमार शांडिल्य, शिवशंकर उइके, लक्ष्मण पटेल, अभय राज गोपाल,भरत कुमार पटेल,योगेश कुमार, विनय पांडेय, रितेश साहू, सचिन पटेल, आशीष कुमार, तनय गोस्वामी व ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थिति हुए।

लापरवाही बरतने पर 12 कर्मचारियों को नोटिस

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कार्य में अनुपस्थित और लापरवाही बरतने पर जिला चिकित्सालय के 12 कर्मचारियों को कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही जवाब मांगा है। बता दें कि कल जिले की कलेक्टर ने औचक निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल के 3 कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के ड्यूटी से नदारद थे तो 12 कर्मचारियों को काम में लापरवाही बरतते हुए पाया गया। सभी को कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।

दरअसल, जिले की कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया बीते बुधवार को अचानक कलेक्टर परिसर के सामने स्थित जिला चिकित्सालय पहुंचीं और उन्होंने वहां का सघन निरीक्षण किया और अस्पताल में मरीजों को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में अस्पताल प्रबंधन की जानकारी ली। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल के 3 कर्मचारी अपने काम से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए जाने और 9 कर्मचारियों द्वारा अपने काम के प्रति लापरवाही बरते जाने पर कलेक्टर के निर्देश पर सभी 12 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है।

महासमुंद जिले के 10वीं-12वीं के परिणाम में बालिकाओं ने मारी बाजी

महासमुंद। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा 10वीं व 12वीं की मुख्य परीक्षा 2023 का परीक्षा परिणाम जारी हुआ। 10वीं बोर्ड की परीक्षा में महासमुंद जिले के पांच विद्यार्थियों ने टॉप 10 में स्थान प्राप्त किया। कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर ने जिले के सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने बच्चों से आगे भी ऐसे ही परीक्षा परिणाम लाने की उम्मीद जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी पांचों बच्चे जिले के सरायपाली ब्लॉक के हैं। इनमें तीन विद्यार्थी स्मृति साहू और अमिषा पटेल एवं छात्र त्रिभुवन स्वामी जायसवाल एकलव्य इंग्लिश स्कूल अर्जुंडा और एक छात्रा बिंदिया प्रधान शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल किसड़ी तथा एक छात्रा रश्मि प्रधान के.जी. कॉन्वेंट स्कूल से है।

मालूम हो कि जिले में कक्षा 10वीं के लिए 13,156 विद्यार्थी पंजीकृत थे। जिनमें 12,846 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जिले में 3984 छात्र और 5647 छात्राएं उत्तीर्ण हुईं। इनमें पांच विद्यार्थियों ने टॉप 10 में जगह बनायी। इसी प्रकार जिले में कक्षा 12वीं में 12,660 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे।

इनमें 12,513 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जिसमें 4246 छात्र और 5804 छात्राएं उत्तीर्ण हुईं। जिले का 12वीं का परीक्षा परिणाम 80.38 प्रतिशत रहा। वहीं 10वीं का परीक्षा परिणाम 74.97 प्रतिशत रहा।

अग्रसेन पब्लिक स्कूल कोरबा का परिणाम उत्कृष्ट रहा

कोरबा। अग्रसेन पब्लिक स्कूल कोरबा का हाईस्कूल एवं सेकेण्डरी सर्टि. परीक्षा सत्र 2022-23 का परीक्षा परीणाम उत्कृष्ट रहा । कक्षा 10 वीं में कुल 61 छात्र-छात्राऐं परीक्षा में प्रविष्ट हुए जिसमें प्रथम श्रेणी 26 द्वितीय श्रेणी 20 एवं 04 छात्र/छात्राऐं तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए । जिसमें कशीश साव ने 90.66 प्रतिषत अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया इलमा मंसूरी ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व सुमन साहु ने 85.66 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया हायर सेकेण्डरी परीक्षा में कुल 79 छात्र/छात्राऐ परीक्षा में प्रविष्ट हुए जिसमें 34 प्रथम श्रेणी 20 द्वितीय श्रेणी व 05 छात्र छात्राऐं तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए । विज्ञान संकाय - गणित से सूरज कुमार साव ने 74.4 प्रतिषत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान व महक छाबड़ा ने 61 प्रतिषत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

भाजपा नेता मोदी सरकार को पेट्रोल और डीजल को टैक्स फ्री करने को कहे: रतिराम

दल्लीराजहरा। प्रदेश में राज्यसभा सांसद सु सरोज पांडे द्वारा देश में भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा द केरला स्टोरी फिल्म को टैक्स फ्री करने की की मांग की गई है । जिस पर जिला कांग्रेस बालोद के महामंत्री रतिराम कोसमा ने कहा कि इससे अच्छा होता की भाजपा के नेता जनता को महंगाई से राहत देने के लिए जनता की भलाई के लिए वह केंद्र की अपनी मोदी सरकार से पेट्रोल और डीजल में टैक्स फ्री या दाम कम करने की मांग करते।

2008 में जब कच्चे तेल की कीमत .140 डॉलर प्रति बैरल थी उस समय की कांग्रेस की यूपीए सरकार में पेट्रोल की कीमत ?61 लीटर और डीजल ?55 लीटर मिल रहा था आज जब कच्चे तेल की कीमत मैं लगातार गिरावट के बाद कच्चे तेल की कीमत 63 डॉलर प्रति बैरल हो गई है उसके बाद भी मोदी सरकार को देश की जनता को महंगाई से राहत देने कोई इरादा नहीं ।2014 में सरकार आने के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देश की जनता से वादा किया था हम सरकार में आते हैं पेट्रोल और डीजल के दाम कम करेंगे कम तो नहीं किया उल्टा दोगुना जरूर कर दिया ।

घरेलू गैस सिलेंडर के 400? दाम होने पर सड़क पर ढोल नगाड़ा पीटने वाले और सिलेंडर लेकर आंदोलन करने वाले भाजपा की केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और अन्य भाजपा नेता आज घरेलू गैस के दाम तीन गुना 1200? सिलेंडर होने के बाद कहीं नजर नहीं आ रहे अब यह महंगाई भाजपा नेताओं को नहीं दिख रही है । इसलिए प्रदेश के भाजपा नेताओं से निवेदन है कि वह आम आदमी को राहत देने के लिए मोदी सरकार से पेट्रोल, डीजल, खाद्य तेल और रसोई गैस के दाम कम करने की मांग करें ।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

देवादा में युवा कांग्रेस की बैठक हुई

पाटन। पाटन ब्लाक के ग्राम देवादा में भारतीय युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा की बैठक आयोजित की गई। जिसमे छत्तीसगढ़ के भूपेश सरकार की जनहितकारी नीतियों, कार्यो, व योजनाओ के बारे में युवा साथियो संवाद कर परिचर्चा किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ में होने वाले आगामी 2023 के विधानसभा चुनाव में पुनः मुख्यमंत्री को मजबूत करने के लिए हर ग्राम व बूथों में युवाओं को मुख्यमंत्री से जोड़ने व आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव के बारे में चर्चा की गई। वर्तमान में देश मे निर्मित परिस्थितियों, अशिक्षा, बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, निजीकरण, भय, भूख, गरीबी, भुखमरी, व देश बढ़ रहे सम्प्रदायिकता परिस्थितियों की समीक्षा के साथ, युवाओं से विशेष चर्चा कर आगामी रूपरेखा तैयार किया गया। इस बैठक में प्रमुख रूप से महेंद्र वर्मा (अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी पाटन विधानसभा) देवेंद्र चंद्रवंशी (जनपद उपाध्यक्ष पाटन) सुमित चन्द्राकर (अध्यक्ष युवा कांग्रेस पाटन विधानसभा) योगेश चन्द्राकर , विजय वर्मा, सचिन चेलक,समीर वर्मा आदि मौजूद रहे।

बस पलटने से 15 लोग घायल कांच तोड़कर निकाला बाहर

बालोद। बालोद जिले के गुंडरदेही ब्लॉक मुख्यालय से लगा हुआ कचांदूर नाला के पास बस पलटने से 15 लोग घायल हो गए। धमतरी से निषाद परिवार अपनी बेटी की चौथिया गया हुआ था, जो वापसी आते वक्त लगभग रात 1 बजे गुंडरदेही कचांदूर के बीच घटना का शिकार हो गए। एक गंभीर रूप से घायल को धमतरी रेफर किया गया। आदर्श ट्रांसपोर्ट की यह बस बताई जा रही है। घटना के बाद उस जगह पर चीख पुकार मच गई। अभी सुबह क्रेन से बस को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। घटनास्थल के समीप रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि घटना के बाद जोर जोर से दर्द से कराहने की आवाज सुनकर दरवाजा खोल कर देखा तो पता चला खचाखच भरी बस पलट गई है। जिसमें महिलाएं मासूम बच्चे भी सवार थे। जिसके बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे और बाल्टी से पानी लेकर लोगों को पिलाया और राहत बचाव कार्य के लिए आसपास के लोगों को बुलाया। खूब सिंह कोसरिया ने बताया कि रात लगभग एक बजे के आदर्श बस दुर्ग की ओर से आ रही थी।

मलेशिया के वुडबॉल स्पर्धा में चैनकुमारी दिखाएगी दम

महासमुंद। मलेशिया में 26 से 31 जुलाई तक होने वाले वुडबॉल इंटरनेशनल ओपन चैंपियनशिप के लिए महासमुंद ब्लॉक के पीढ़ी गांव की रहने वाली चैनकुमारी निषाद का चयन उनके बेहतर प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। मलेशिया में 23 वें मलेशिया वुडबॉल इंटरनेशनल ओपन चैंपियनशिप का आयोजन 26 से 31 जुलाई 2023 तक होगा जिसमें पीढ़ी गांव की रहने वाली चैनकुमारी निषाद भी भारतीय दल के साथ वहां जाएंगे और अपना दमखम दिखाएंगी। उनके चयन पर संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर, चुडामणी चंद्राकर, दिलीप चंद्राकर, रेखराज चंद्राकर आदि ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में भी चैन कुमारी ने ताइवान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चौंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। सात बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का और 17वीं वुडबॉल चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीत चुकी है।

फैक्ट्री में लगी भीषण आग चारों ओर धुआं-धुआं

कोरबा। सिविल लाइन थानांतर्गत खरमोरा के इंडस्ट्रीयल एरिया में संचालित शिव इंडस्ट्रीज नाम की एक फैक्ट्री में आग लगने से हड़कंप मच गया। फैक्ट्री के बाहर नाली से निकलने वाले केमिकल में आग लगा। जिससे पूरे फैक्ट्री में आग फैल गई। घना की जानकारी मिलते ही सिविल लाइन पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना में किसी तरह की जनहानी नहीं हुई। जबकि संचालक को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। कोरबा के इंडस्ट्रीयल एरिया में संचालित एक फैक्ट्री में आग लगने से अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। जिस फैक्ट्री में आग लगी है उसका नाम शिवा इंडस्ट्रीज है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में केमिकल से जुड़ा काम होता है। यही वजह है कि आग ने जल्द ही भीषण रुप अख्तियार कर लिया। देखते ही देखते धुएं का गुबार आसमान में उठने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही सिविल लाइन पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया।

पाटन में कांग्रेस भवन बनाने ग्राम पतोरा में बैठक

पाटन। ब्लॉक मुख्यालय पाटन में कांग्रेस भवन निर्माण के लिए मंगलवार को अश्वनी साहू अध्यक्ष कृषि उपज मंडी दुर्ग, राकेश ठाकुर डायरेक्टर अपेक्स बैंक द्वारा ग्राम पतोरा में बैठक ली। बैठक में बताया गया कि कांग्रेस भवन निर्माण में कांग्रेस के हर सिपाहियों का अंशदान हो। ताकि भवन से भावनात्मक लगाव बना रहे। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने अपनी स्वेच्छिक सहयोग राशि घोषणा की। साथ ही बुथ प्रभारियों के साथ ग्रामवासियों से भी सहयोग लेने का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्व खिलेश मार्कंडेय जनपद सदस्य अगेशवर साहू सेक्टर प्रभारी, हेमंत कपूर करण साहू रामकुमार बंदे सुरेश कपूर भोलू बंदे देवनारायण ठाकुर गोपाल साहू राजकुमार साहू गोपाल साहू भरोसा यादव गोस्वामी साहू आदित्य साहू चुन्नी लाल साहू सुखदेव ठाकुर बुधेलाल रीखी राम श्रीवास श्रीमती कांति साहू श्रीमती रामबाई ठाकुर श्रीमती कुमहीन साहू श्रीमती टेसूबाई साहू श्रीमती कुमबाई ठाकुर व अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

सहकारी समितियों में रासायनिक खाद का भंडारण

कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ द्वारा खरीफसीजन के लिए जिले के 70 सहकारी समितियों में 16 हजार 988 मेट्रिक टन रासायनिक खाद का अग्रिम भंडारण किया गया है। युरिया (नीम) 5239.620 मेट्रिक टन, सुपर फास्फेट पावडर 2087.400 मेट्रिक टन, जिंकेटेड सुपर फास्फेट 1927.450 मेट्रिक टन, डी.ए.पी. 5420.800 मेट्रिक टन, पोटाश 576 मेट्रिक टन और एन.पी.के. 1737.600 मेट्रिक टन का भंडारण समितियों में किया गया है।

जिला विपणन अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार संग्रहण केन्द्र कांकेर के सहकारी समिति कांकेर में 358.175 मेट्रिक टन, बारदेवरी में 222.700 मेट्रिक टन, पटौद में 177.500 मेट्रिक टन, पीढ़ापाल 295 मेट्रिक टन, नाथियानवागांव 170.500 मेट्रिक टन, सरोना 338.220 मेट्रिक टन, दुधावा 345 मेट्रिक टन, बुदेली 235 मेट्रिक टन, बासनवाही 325 मेट्रिक टन, घोटियावाही 279.750 मेट्रिक टन, बागोडार 147.500 मेट्रिक टन, अभनपुर 192.500 मेट्रिक टन, ईच्छापुर 122.095 मेट्रिक टन, मालगांव 222.500 मेट्रिक टन, मरकाटोला में 340 मेट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण किया गया है। इसी प्रकार संग्रहण केन्द्र नरहरपुर के सहकारी समिति नरहरपुर में 201.450 मेट्रिक टन, दबेना 265.300 मेट्रिक टन, उमरादाह 189 मेट्रिक टन, अमोड़ा 325 मेट्रिक टन, बादल 268 मेट्रिक टन, कुरना 354.250 मेट्रिक टन और बिरनपुर में 237.350 मेट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण किया गया है।

संग्रहण केन्द्र चारामा के सहकारी समिति लखनपुरी में 372.850 मेट्रिक टन, कोटतरा 321 मेट्रिक टन, हल्बा 373 मेट्रिक टन, चारामा 217.500 मेट्रिक टन, पुरी 314.030 मेट्रिक टन, डोकला 265.500 मेट्रिक टन, हाराडुला 543.200 मेट्रिक टन, खरथा 197.500 मेट्रिक टन, उकारी 257 मेट्रिक टन, शाहवाड़ा 371.500 मेट्रिक टन, टांहकापार 292.500 मेट्रिक टन, पंडरीपानी 224 मेट्रिक टन तथा लिलेझर सहकारी समिति में 262.050 मेट्रिक टन रासायनिक खाद भंडारण किया गया है। इसी प्रकार संग्रहण केन्द्र भानुप्रतापपुर के सहकारी समिति भानुप्रतापपुर में 175.600 मेट्रिक टन, कोरर 491.400 मेट्रिक टन, संबलपुर 363.630 मेट्रिक टन, आसुलखार 230.400 मेट्रिक टन, दुर्गूकोंदल में 342.900 मेट्रिक टन, कोड़ेकुर्से 250.600 मेट्रिक टन, अंतागढ़ 305.800 मेट्रिक टन, ताड़ोकी 250.800 मेट्रिक टन, कोयलीबेड़ा 160.600 मेट्रिक टन, आमाबेड़ा 276 मेट्रिक टन, लोहत्तर 140.200 मेट्रिक टन, चिखली 162.050 मेट्रिक टन, पोड़गांव 75.200 मेट्रिक टन, भैंसासुर 105.400 मेट्रिक टन, चारगांव 29.700 मेट्रिक टन, सरण्डी 280.800 मेट्रिक टन, केंवटी 250.400 मेट्रिक टन, हाटकोंदल 170.600 मेट्रिक टन, भानबेड़ा 175.200 मेट्रिक टन, हाटकर्रा 260.600 मेट्रिक टन, बैजनपुरी 300.600 मेट्रिक टन, कोदापाखा 146.400 मेट्रिक टन एवं सहकारी समिति दमकसा में 225.600 मेट्रिक टन रासायनिक खाद भंडारित की गई है।

इंटक के कार्यकारी अध्यक्ष संजय और महासचिव पर एक और एफआईआर

कोरबा। बालको प्लांट एवं चांपा के पीआइएल प्लांट में नौकरी लगाने के नाम पर बालको के रिटायर्ड बालको कर्मी कलेश राम साहू से दो लाख की धोखाधड़ी के मामले में इंटक के कार्यकारी अध्यक्ष संजय सिंह एवं महासचिव जयप्रकाश यादव के खिलाफ बालको थाना में एक और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। इसके पहले बालको थाना में ही धोखाधड़ी का एक और मामला दर्ज किया गया था। जिसमें संजय सिंह एवं जयप्रकाश यादव के साथ ही इंटक के कार्यकारिणी अध्यक्ष जी. संजीवा रेड्डी और कोषाध्यक्ष रमेश जांगिड़ भी आरोपित बने है। अब संजय सिंह एवं जयप्रकाश यादव के खिलाफ सिविल लाइन थाना में धोखाधड़ी का एक और एफआइआर हुआ है। जिसमें धोखधड़ी के पहले मामले में अग्रिम जमानत के लिए फर्जी इकरारनामा लगाया जाना बताया गया है।

मामले में स्थानीय न्यायालय में आरोपित जयप्रकाश यादव व संजय सिंह की अग्रिम जमानत खारिज हो चुकी है। अग्रिम जमानत के लिए लगे दस्तावेज में एक इकरारनामा भी था। जिसमें धोखाधड़ी के मामले के प्रार्थी कलेश राम साहू से दो लाख रुपये उधार का लिखा-पढ़ी था। इस बात की जानकारी होने पर कलेश राम ने ऐसे किसी इकरारनामा का नहीं करना और इकरारनामा में उसके नाम से दर्ज हस्ताक्षर को फर्जी बताया। मामले की लिखित शिकायत सिविल लाइन थाना रामपुर में की गई जिसके आधार पर धोखाधड़ी का एफआइआर हुआ है। इस तरह इंटक के कार्यकारी अध्यक्ष संजय सिंह और महासचिव जयप्रकाश यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का यह तीसरा एफआइआर है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राहुल गांधी को दिल्ली विश्वविद्यालय ने भेजा नोटिस

नईदिल्ली। राहुल गांधी की इस समय युवाओं के प्रभावित करने के लिए कभी मुखर्जी नगर के छात्रों से मिल रहे हैं तो कभी अचनाक होस्टलों के दौरे पर जा रहे हैं। शुक्रवार को राहुल गांधी ने दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास का दौरा किया था, जहां उन्होंने कुछ छात्रों के साथ बातचीत की और उनके साथ दोपहर का भोजन किया। विश्वविद्यालय ने अब कांग्रेस नेता को नोटिस भेजा है। राहुल गांधी को बुधवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजी मेन्स हॉस्टल के प्रोवोस्ट से पिछले सप्ताह उनके अचानक दौरे पर नोटिस मिला। प्रोवोस्ट के नोटिस में कहा गया है, जेड-प्लस सुरक्षा वाले राष्ट्रीय पार्टी के नेता का ऐसा आचरण गरिमा से परे है। प्रोवोस्ट केपी सिंह द्वारा गांधी को भेजे गए दो पत्रों के नोट में कहा गया है कि यह घटना अतिचार और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। नोटिस में आगे राहुल गांधी को भविष्य में ऐसा कोई भी कदम उठाने से रोकने और रोकने के लिए कहा गया है।

दिल्ली सरकार के पास ट्रांसफर पोस्टिंग का अधिकार : सुको

नईदिल्ली। दिल्ली का असली बॉस कौन, इस मामले को लेकर वृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने दिल्ली और केंद्र सरकारों के बीच सेवा विवाद के मामले में सर्वसम्मति से फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया और माना कि नौकरशाहों पर उसका नियंत्रण होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि को छोड़कर सेवाओं पर विधायी शक्ति है। फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र, संघीय ढांचा संविधान की मूलभूत संरचना का हिस्सा हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि न्यायाधीश अशोक भूषण के 2019 के फैसले से सहमति नहीं है कि दिल्ली के पास सेवाओं पर कोई अधिकार नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि राज्यों के पास भी शक्ति है लेकिन राज्य की कार्यकारी शक्ति संघ के मौजूदा कानून के अधीन है।

नीतीश कुमार के विपक्षी एकता के प्रयास पर भाजपा का तंज

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के एकजुट कर रहे हैं। इसी कड़ी में वह विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात भी कर रहे हैं। नीतीश के इस कदम को लेकर भाजपा उनपर लगातार निशाना साध रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष जोड़ो नहीं आंख फोड़ो अभियान है...अब इनमें(नीतीश कुमार) गुण नहीं सिर्फ अवगुण है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे बस यह कहकर जनता को ठगने के लिए जा रहे हैं कि वे प्रधानमंत्री मैटेरियल हैं। वहीं, बुधवार को नीतीश कुमार ने झारखंड की राजधानी रांची में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। नीतीश कुमार ने कहा कि हमने आज विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और इस बात पर सहमत हुए कि हम देश के हित के लिए एकजुट होकर काम करेंगे।

ऑडियो टेप में नाम आने के बाद पलानीवेल से छिना वित्त विभाग

बेंगलुरु। तमिलनाडु के मंत्रिमंडल में फेरबदल करने की खबरें कई दिनों से आ रही थीं। उम्मीद जताई जा रही थी की सीएम स्टालिन के विदेश दौरे से पहले यह फेरबदल हो जाएगा। हालांकि, ऐसा ही हुआ। तमिलनाडु के मंत्री पलानीवेल थियागा राजन (पीटीआर) को गुरुवार को वित्त और मानव संसाधन प्रबंधन के प्रमुख मंत्रालय से मुक्त कर दिया है। उनकी जगह थंगम थेनारासु लेंगे, जबकि राजन को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग दिया गया है। बता दें, दक्षिणी तमिलनाडु के मदुभाषी द्रमुक नेता थंगम थेनारासु नए वित्त मंत्री हैं। वहीं, उद्योग विभाग को मन्नारगुडी निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार के विधायक टीआरबी राजा को आवंटित किया गया है, जिन्हें नए मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया था। बता दें, डीएमके की आईटी शाखा के सचिव राजा पार्टी के कोषाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री टीआर बालू के बेटे हैं। राजभवन में एक आधिकारिक समारोह के दौरान तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने थंगम थेनारासु को मंत्री पद की शपथ दिलाई।

सचिन पायलट की पदयात्रा में आतंकी हमले का खतरा

जयपुर। प्रदेश में अपनी ही कांग्रेस पार्टी की गहलोत सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और पेपर लीक के मुद्दे पर जन संघर्ष पदयात्रा निकाल रहे सचिन पायलट को आतंकी हमले का खतरा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजस्थान के डीजीपी को एक गोपनीय पत्र भेजकर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त करने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ की एक बटालियन के काफी सारे जवान पायलट की सुरक्षा के लिए अजमेर भेज दिए गए हैं। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की 11 मई से 15 मई तक होने वाली जन संघर्ष पदयात्रा को सीआरपीएफ का सुरक्षा कवर मिलेगा। बड़ी संख्या में वर्दी में और सादे वस्त्रों में जवान तैनात रहेंगे। जो सचिन पायलट के साथ-साथ पदयात्रा में चलेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से 11 मई से 15 मई तक का सचिन पायलट का पूरा शेड्यूल डीजीपी राजस्थान और डीजीपी आरपीएफ को भेजा है। राजस्थान पुलिस के आईजी सिक्योरिटी, पुलिस कमिश्नर जयपुर और अजमेर पुलिस एसपी को भी लेटर जारी किया गया है।

तकनीकी विकास के शिखर पर खड़ा है भारत

विज्ञान और तकनीक पर दिया जा रहा जोर : मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर कई वैज्ञानिक परियोजनाओं की आधारशिला रखी और स्मारक डाक टिकट व सिक्का भी जारी किया। इस दौरान अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज 11 मई का ये दिन, भारत के इतिहास के सबसे गौरवमयी दिनों में से एक है। आज भारत के वैज्ञानिकों ने पोखरण में वह उपलब्धि हासिल की थी जिसने मां भारती की हर संतान का सिर गर्व ये ऊंचा कर दिया था। उन्होंने कहा कि मैं उस दिन को कभी नहीं भूल सकता जब अटल जी ने भारत के सफल परमाणु परीक्षण की घोषणा की थी। इससे भारत ने न केवल अपने वैज्ञानिक सामर्थ्य को साबित किया था बल्कि भारत के वैश्विक कद को भी ऊंचाई दी थी

मोदी ने कहा कि भारत तकनीकी विकास के शिखर पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भारत ने जिस तरह से साइंस और प्रौद्योगिकी पर जोर दिया है वह बड़े बदलावों का कारण बना है। पहले जो साइंस सिर्फ किताबों तक सीमित था वह अब प्रयोग से आगे बढ़कर पेटेंट में बदल रहे हैं। मोदी ने कहा कि भारत में 10 साल पहले 1 साल में 4 हजार पेटेंट ग्रांट होते थे लेकिन आज इनकी संख्या 30 हजार से ज्यादा हो गई है। उन्होंने कहा कि हमने जो स्टार्टअप इंडिया अभियान शुरु किया, जो डिजिटल इंडिया अभियान शुरु किया, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई उसने भी प्रौद्योगिक क्षेत्र में भारत की सफलता को और नई ऊंचाई दी। उन्होंने कहा कि इस समय में हम आजादी के अमृतकाल के शुरूआती महीनों में हैं। हमारे सामने 2047 के स्पष्ट लक्ष्य हैं। हमें देश को विकसित बनाना है, हमें देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत, तकनीक को अपना दबदबा कायम करने का माध्यम नहीं मानता बल्कि देश की प्रगति को गति देने का एक टूल मानता है। भारत के युवा दिमाग को नवाचार की तरफ प्रेरित करने के लिए बीते 9 वर्षों में देश में एक मजबूत बुनियाद बन चुकी है। कुछ साल पहले शुरू की गई अटल टिंकरिंग लैब्स आज देश की नवाचार नर्सरी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल से स्टार्टअप्स तक की यात्रा छात्रों द्वारा कवर की जाएगी, लेकिन यह वैज्ञानिक समुदाय है जिसे उनका मार्गदर्शन करना है, उन्हें प्रोत्साहित करना है; और मैं आपको इस प्रयास में अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन देता हूं। मोदी ने कहा कि एक समय था, जब टेक्नालॉजी सामान्य भारतीय की पहुंच से बाहर थी लेकिन भारत का यूपीआई आज अपनी सिंपलीसिटी की वजह से न्यू नार्मल बन गया है। आज रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर रिक्शे वाले तक, डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने 5800 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को प्रगति मैदान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2023 के मौके पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित 5,800 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी बयान के मुताबिक, इस आयोजन से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के 25वें वर्ष के उत्सव की शुरुआत होगी। उत्सव समारोह 11 से 14 मई तक आयोजित किया जाएगा। पीएमओ के मुताबिक देश में वैज्ञानिक संस्थानों को मजबूत करना प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस दौरान जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, उनमें इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी-इंडिया (एलआईजीओ-इंडिया), होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, जतनी, ओडिशा और टाटा मेमोरियल अस्पताल के मुंबई का प्लैटिनम जुबली ब्लॉक शामिल हैं

18 को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो का उद्घाटन करेंगे मोदी

केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 मई यानी अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के मौके पर दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो 2023 का उद्घाटन करेंगे। प्रगति मैदान के हॉल नंबर दो और तीन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में दर्शकों को देशभर के संग्रहालयों की सांस्कृतिक विरासत को जानने का मौका भी मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो 2023 का आयोजन 18 से 20 मई तक किया जाएगा।

आत्मसम्मान के खिलाफ उठे कदमों का मुंहतोड़ जवाब देंगे : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। भारत आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस और 1998 के पोखरण-II परमाणु परीक्षण की 25वीं वर्षगांठ मना रहा है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के आत्मसम्मान के खिलाफ उठे हर कदम का अब मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा- 1998 में भारत के परमाणु परिक्षण ने दुनिया को संदेश दिया है कि यह बले ही शांति प्रिय देश हो सकता है लेकिन आत्मसम्मान के खिलाफ उठे कदमों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाहरी आक्रममों द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय और सोमनाथ में सांस्कृतिक प्रतीक को तबाह किए जाने के बाद भारत ने इनसे सबक सीखा है। राजनाथ सिंह ने कहा- हमने इतिहास से अपना सबक सीख लिया है और हमने संकल्प लिया है कि उन गललियों को दोबारा नहीं दोहराना है। परमाणु परिक्षण ने दुनिया को संदेश दिया है। हम भले ही एक शांति प्रिय देश हैं लेकिन हम नालंदा को दोबारा जलते हुए नहीं देखेंगे। हम दोबारा से सोमनाथ के सांस्कृतिक आइकन को तबाह होते हुए नहीं देखेंगे। हम अपने आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए हर कदम का मुंहतोड़ जवाब देंगे। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह और शीर्ष वैज्ञानिक भी शामिल थे।

7 जजों की बेंच करेगी महाराष्ट्र मामले की सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने माना राज्यपाल का फैसला था गलत

नईदिल्ली। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच एक साल पहले हुए सत्ता संघर्ष के मामले में वृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले को बड़ी बेंच में भेजा जाएगा। नई बेंच में सात जज हो सकते हैं। संविधान पीठ में महाराष्ट्र के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एमआर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने 14 फरवरी 2023 को मामले की सुनवाई शुरू की और आखिरकार 16 मार्च 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया गया था।

राज्यपाल का फैसला गलत था

सुप्रीम कोर्ट ने माना कि वह उद्धव ठाकरे सरकार की बहाली का आदेश नहीं दे सकता क्योंकि उन्होंने फ्लोर टेस्ट का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया था, हालांकि फ्लोर टेस्ट के लिए राज्यपाल का फैसला गलत था और एकनाथ शिंदे समूह का व्हिप नियुक्त करने में स्पीकर गलत थे।

राज्यपाल के फैसले पर सवाल

सीजेआई ने कहा कि अगर स्पीकर और सरकार अविश्वास प्रस्ताव को दरकिनार करते हैं, तो राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना फ्लोर टेस्ट के लिए बुलाना उचित है। बचाव दसवीं अनुसूची के भीतर पाया जाना चाहिए क्योंकि यह वर्तमान में है। कोई गुट या समूह यह तर्क नहीं दे सकता है कि वे अयोग्यता की कार्यवाही के बचाव में मूल पार्टी का गठन करते हैं। दसवीं अनुसूची के तहत विभाजन का बचाव अब उपलब्ध नहीं है। विधायकों द्वारा व्यक्त की गई सुरक्षा चिंताओं का सरकार के समर्थन पर कोई असर नहीं पड़ता है। यह एक बाहरी विचार था जिस पर राज्यपाल ने भरोसा किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल द्वारा भरोसा किए गए किसी भी संचार में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि असंतुष्ट विधायक सरकार से समर्थन वापस लेना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उद्धव ठाकरे ने दी प्रतिक्रिया

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पिछले साल 30 जून को महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए राज्यपाल द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को बुलाना सही नहीं था। वहीं, अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया सामने आई है। ठाकरे ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मेरा इस्तीफा एक गलती हो सकती है लेकिन मैं इस तरह की चीजें नहीं देख रहा हूं। मैं लोगों के लिए लोकतंत्र के लिए उन लोगों के लिए लड़ रहा हूं जो मेरे पिता बालासाहेब ठाकरे का अनुसरण करते हैं। महाराष्ट्र में पिछले साल शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के बाद उद्धव ठाकरे नीत महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिरने और सामने आये राजनीतिक संकट से जुड़ी अनेक याचिकाओं पर सर्वसम्मति से अपने फैसले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि शिंदे गुट के भरत गोगावाले को शिवसेना का व्हिप नियुक्त करने का विधानसभा अध्यक्ष का फैसला अवैध था। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा , चूंकि ठाकरे ने विश्वास मत का सामना किये बिना इस्तीफा दे दिया था, इसलिए राज्यपाल ने सदन में सबसे बड़े दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कहने पर सरकार बनाने के लिए शिंदे को आमंत्रित करके सही किया।

खेल
प्रमुख समाचार

मुंबई इंडियन्स और गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबला आज

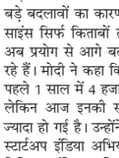

मुंबई। आत्मविश्वास से भरी मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले में शुक्रवार को यहां जब अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे गत चैंपियन गुजरात टाइटंस के सामने होगी तो दोनों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। आईपीएल के मौजूदा सत्र में पहली बार मुंबई इंडियन्स की टीम प्रभावी नजर आ रही है और मंगलवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को छह विकेट से हराकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। मुंबई ने आरसीबी के 200 रन के लक्ष्य को 17 ओवर के भीतर ही हासिल कर लिया जो दर्शाता है कि टीम का बल्लेबाजी क्रम कितना मजबूत है। टीम ने हालांकि नेट रन रेट में इजाफा करने के लिए लगातार दूसरे मैच में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया। टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और पिछली पांच पारियों में दोहरे अंक में भी पहुंचने में नाकाम रहे हैं लेकिन इसके बावजूद मुंबई के बल्लेबाजों ने वानखेड़े स्टेडियम में तीन प्रयास में दो बार 200 या इससे अधिक के लक्ष्य को हासिल किया। यहां तक कि पंजाब किंग्स के खिलाफ भी मुंबई ने 215 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 201 रन बनाए थे। मुंबई के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी चिंता रोहित की फॉर्म नहीं बल्कि टीम की गेंदबाजी है। टीम के खिलाफ लगातार चार मैच में 200 से अधिक रन बने जबकि आरसीबी की टीम भी 199 रन बनाने में सफल रही। पिछले तीन मैच में विरोधी टीमों ने सपाट विकेट और बल्लेबाजी के अनुकूल हालात का फायदा उठाते हुए मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आठ विकेट पर 214, सात विकेट पर 212 और छह विकेट पर 199 रन बनाए और गुजरात टाइटंस की नजरें भी बड़े स्कोर पर टिकी होंगी। मुंबई की टीम ने आरसीबी के खिलाफ बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन गुजरात टाइटंस के पास आरसीबी के विपरीत निचले क्रम में फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 36 अंक टूटा निफ्टी 18,300 के करीब

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले रुझानों के बीच भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शुरुआती बढ़त बरकरार नहीं रख पाए और हल्की गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में सेंसेक्स 36 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 18 अंको की गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,297.00 पर बंद हुआ। लार्सन एंड टुब्रो में बिकवाली तथा देश में महंगाई का आंकड़ा जारी होने से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से बाजार में गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 35.68 अंक यानी 0.06 फीसदी टूटकर 61,904.52 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,168.22 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 61,823.07 तक आया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंजका निफ्टी 18.10 अंक यानी 0.1 फीसदी लुढ़का।

5 करोड़ से ज्यादा कारोबार वाली कंपनियों को भी निकालना पड़ेगा ई-चालान

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने माल एवं सेवा कर के कानून में बड़ा बदलाव किया गया है। इसके तहत अब पांच करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाली कंपनियों को आगामी 1 अगस्त से बी2बी लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक या ई-इन्वॉयस (चालान) निकालना होगा। पांच करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाली कंपनियों को आगामी पहली अगस्त से बी2बी लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक या ई-इन्वॉयस (चालान) निकालना होगा। अभी तक 10 करोड़ रुपये या अधिक के कारोबार वाली इकाइयों को बी2बी लेनदेन के लिए ई-चालान निकालना होता है। वित्त मंत्रालय की 10 मई को जारी अधिसूचना के अनुसार, बी2बी लेनदेन के लिए ई-चालान निकालने की सीमा को 10 करोड़ रुपये से घटाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया गया है।

सोयाबीन के तेल पर जून तक नहीं लगेगा आयात शुल्क

नई दिल्ली। भारत सरकार ने जून तक कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल से आयात शुल्क हटाने का फैसला लिया है। सरकार ने आयात शुल्क में देने वाली छूट को लेकर स्पष्ट किया है कि 31 मार्च से पहले भेजे जाने वाले सोया तेल और सूरजमुखी तेल के आयात को मुफ्त रखा जाएगा क्योंकि आयात नियमों को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई थी, जिससे सैकड़ों हजारों कार्गो बंदरगाहों पर फंस गए थे। गौरतलब है, इस साल की शुरुआत में वनस्पति तेलों के दुनिया के सबसे बड़े आयातक ने 1 अप्रैल से शुरू होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए 2 मिलियन टन कच्चे सूरजमुखी तेल और सोया तेल के आयात शुल्क में देने वाली छूट को समाप्त कर दिया था। डीलरों का कहना था कि इस कदम से भारतीय बंदरगाहों पर करीब 90 हजार टन माल से लदे कार्गो फंस गए थे, जिन्हें 31 मार्च से पहले लोड किया गया था।

महिंद्रा की फाइव डोर थार जल्द हो सकती है पेश

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एसयूवी बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की ओर से फाइव डोर वाली थार को पेश करने की तैयारी हो रही है। जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से इसे 15 अगस्त तक पेश किया जा सकता है। हालांकि अभी कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। कंपनी फाइव डोर थार के लॉन्च से पहले इसे लगातार टेस्ट कर रही है। कई बार एसयूवी की टेस्टिंग के दौरान फोटो सोशल मीडिया पर आ चुकी हैं। थार के फाइव डोर वर्जन का सीधा मुकाबला मारुति की जिम्नी के साथ होगा। जिम्नी को कंपनी की ओर से जून की शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है। जिम्नी को ऑटो एक्सपो 2023 के दौरान कंपनी की ओर से पेश किया गया था।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से होगी नई क्रांति

चंद्रभूषण

भारत में इक्कीसवीं सदी की शुरुआत कुछ बड़े शहरों के किनारे वाले इलाकों में आई 'कॉल सेंटर क्रांति' से हुई थी। उस क्रांति को धूमिल पड़े कई साल गुजर चुके हैं। लेकिन आने वाले समय में हमें उसका दोहराव देखने को मिल सकता है। आउटसोर्सिंग से ही उपजी एक और तरह की क्रांति, और कुछ मायनों में आईटी सेक्टर से जुड़ी बड़े पैमाने की एक मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री देश का दरवाजा खटखटा रही है।

ऐपल के गैजेट्स असेंबल करने वाली बड़ी ताइवानी इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन की कर्नाटक और तेलंगाना की राज्य सरकारों से बातचीत अपने अंतिम चरण में है। उम्मीद की जा रही है कि दोनों में से किसी एक राज्य में यह साल बीतने तक उसका कारखाना खड़ा होने लगेगा।

हाल में वेदांता ग्रुप का बयान आया है कि 2023 की ही आखिरी तिमाही में वह संयुक्त उपक्रम के तहत अपना सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की शुरुआत करेगा और 2027 तक इसमें कंप्यूटर चिप्स का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस उद्योग को टैक्स छूट और अन्य रूपों में दस अरब डॉलर का इंसेंटिव देने की घोषणा भारत सरकार ने 2021 में की थी। इन हलचलों के पीछे इसकी विशेष भूमिका है। वेदांता और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, दोनों का कहना है कि वे भारत में ओसैट (आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट) के ठिकाने भी खड़े करेंगे। इसमें तैयार हालत में मंगाए गए कंप्यूटर चिप्स को उपकरणों में लगाकर उनकी टेस्टिंग की जाती है। ताइवान के अखबार बता रहे हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ञ्जस्रस्ष्ट या पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन की ओर से भी

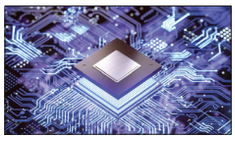

भारत में ओसैट कारोबार खड़ा करने की पहल हो सकती है।

सस्ते तकनीकी श्रम के कारण हाल तक इस खास मिजाज की आउटसोर्सिंग में चीनियों का दबदबा था। फिर लगातार दो अमेरिकी राष्ट्रपतियों की कोशिश से चीन को सेमीकंडक्टर्स से जुड़े हर क्षेत्र में अलग-थलग कर दिए जाने के बाद भारत और वियतनाम ओसैट के धंधे पर अपनी दावेदारी जताने में जुट गए हैं।

अभी इलेक्ट्रॉनिक्स के दायरे में आने वाला ऐसा एक भी सामान खोजना मुश्किल है, जिसमें सेमीकंडक्टर्स की मुख्य भूमिका न हो। यह चीज वहां इंटीग्रेटेड सर्किट या चिप के रूप में मौजूद होती है। कंप्यूटरों की तो बात ही छोड़ें, मोबाइल फोन, टीवी, फ्रिज, एसी और थर्मामीटर तक में यह दिमाग जैसी भूमिका निभाती है। इमेज प्रॉसेसिंग से लेकर डेटा प्रॉसेसिंग और टेंप्रेचर कंट्रोल से लेकर सूचनाओं के साथ तरह-तरह के खिलवाड़ तक सारे काम सेमीकंडक्टर्स के ही सहारे होते हैं। इसके एक अकेले टुकड़े की भूमिका सिर्फ स्विच ऑन, स्विच ऑफ तक ही सीमित है। लेकिन अभी सेमीकंडक्टर्स का भी दस लाखवें हिस्से जितना हो गया है, लिहाजा ऐसे-ऐसे काम इनसे लिए जाने लगे हैं, जो पचीस साल पहले तक कल्पनातीत समझे जाते थे। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के ब्यौरों में जाएं तो इसकी नींव सिलिकॉन वेफर पर खड़ी है, जिसके प्रॉडक्शन में चीन का दबदबा है। इससे जुड़े दिमागी काम की शुरुआत दुनिया के अलग-अलग ठिकानों पर होती है। सबसे ऊपर है, नए माइक्रो प्रॉसेसर डिजाइन करना, जो इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के तहत आता है। अमेरिकी कंपनी इंटेल और ब्रिटिश कंपनी एआरएम इस क्षेत्र में छाई हुई हैं। दक्षिण कोरिया की सैमसंग का दबदबा डाइनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (ड्रैम) में कायम है। इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) बनाने में इन दोनों चीजों की अहम भूमिका होती है। चिप डिजाइनिंग, यानी सिलिकॉन वेफर पर सर्किट्स का खाका खींचने में अमेरिकी कंपनियों क्वालकॉम, ब्रॉडकॉम और एनविडिया का बोलबाला है। जाहिर है, बहुत बड़ा औद्योगिक क्षेत्र होने के बावजूद सेमीकंडक्टर उद्योग का रवैया अभी रक्षात्मक है। ऐसे में भारत जैसे नए खिलाड़ी को कदम-कदम पर अड़चनों का सामना करना पड़ेगा।

कर्नाटक : मुद्दों और बयानों की सियासत के बीच किसकी होगी जीत?

मोहन सिंह

कर्नाटक विधानसभा चुनावों में महंगाई-बेरोजगारी भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिक धुर्वीकरण की कोशिशें भले चुनाव प्रचार के अंतिम दौर तक चलती रही, पर मोटे तौर पर छः अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित कर्नाटक का चुनावी रुझान और राजनीतिक प्रभाव हर दल के लिए अलग-अलग हैं। मसलन तटीय कर्नाटक, कल्याण कर्नाटक और ग्रेटर बेंगलुरु में भाजपा का प्रभाव दिखाई दिया। वहीं हैदराबाद - कर्नाटक, मध्य कर्नाटक के इलाके ओल्ड मैसूर, ग्रेटर बेंगलुरु और कल्याण-कर्नाटक में भी कांग्रेस के राजनीतिक प्रभाव देखा गया। विधानसभा चुनाव प्रचार के बहुत पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पदयात्रा से लेकर चुनावी मुद्दे तैयार करने और सोशल मीडिया पर मौजूदगी के लिहाज से भी कम से कम इन चुनावों में कांग्रेस आगे दिख रही है। तमाम आपसी मतभेदों के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डी के शिवकुमार के बीच कम से कम टिकट बंटवारे के बाद अच्छा तालमेल दिखाई दिया। भाजपा का चुनाव प्रचार राज्य सरकार की उपलब्धियों, मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई की नेतृत्व क्षमता और स्थानीय नेताओं के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों-रोड सो और गृहमंत्री अमितशाह की मेहनत चुनावी रणनीति और तय किए चुनावी मुद्दों के इर्दगिर्द ही घूमता रहा। भाजपा के कदावर नेता पूर्व मुख्यमंत्री यदुरप्पा चुनावों में सक्रिय भागीदारी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमितशाह का उनके प्रति सार्वजनिक सम्मान से कम से कम लिंगायत समुदाय में भाजपा के प्रति रुझान साफ देखा गया। पर भाजपा के पास वोक्कालिगा समुदाय के जद.एस नेता कुमार स्वामी और कांग्रेस नेता डी के शिवकुमार के कद के नेता का अभाव ओल्ड मैसूर इलाके में भाजपा की कमजोरी की मुख्य वजह है। ये दोनों शक्तिशाली जातियां ही किसी दल की सत्ता में वापसी और विदाई का भविष्य तय करती रही हैं। इस इलाके में कुल साठ से ज्यादा सीटें हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी देवेगौड़ा के प्रभाव वाले इलाके के ज्यादातर वोक्कालिगा, कुमार स्वामी को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं अथवा त्रिशंकु विधानसभा परिणाम आने की बात करते हैं। ओल्ड मैसूर रीजन के हासन, तुमकुर, माड्या, रामनगरा और आसपास के विधानसभा क्षेत्र में देवेगौड़ा परिवार का दबदबा रहा है और यहीं इस परिवार की कुल राजनीतिक पूंजी है जिसके बदौलत यह परिवार हमेशा किंगमेकर की भूमिका में रहने की चाहत रखता है। कांग्रेस की कोशिश इस चुनाव में देवेगौड़ा परिवार की राजनीतिक ताकत कमजोर करने की रही, तो भाजपा इस इलाके में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री अमितशाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक की सभाओं और रोड शो के जरिए इस इलाके में अपनी स्थिति बेहतर करने के लिए प्रयासरत दिखाई दी। परिणाम के लिहाज से भाजपा और कांग्रेस के बेहतर चुनावी नतीजे ही किसी भी एक दल के पूर्ण बहुमत की सरकार के दावेदारी को मजबूती प्रदान करेगा तो जद एस और देवेगौड़ा परिवार के किंगमेकर बनने की ख्वाहिश भी पूरा करेगा। कर्नाटक चुनाव के अंतिम दौर में कांग्रेस ने जिन मुद्दों को उछाला, उससे किसी भी तरह चुनावी नतीजे पार्टी के अनुकूल होने की बेचैनी साफ दिखाई दी। शायद इसलिए भी कि कर्नाटक चुनाव के अनुकूल नतीजे हर लिहाज से पार्टी के लिए संजीवनी का काम करेगा। विपक्षी दलों के साथ उसकी मोलभाव करने की संभावना को भी मजबूत करेगा। चुनाव प्रचार में यह बात साफतौर पर दिखाई दिया कि प्रधानमंत्री ने जैसे ही इन चुनावी मुद्दों पर वार करना शुरू किया कांग्रेस की घबराहट देखने लायक थी। कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में उठाए मुद्दों से खुद किनारा करने लगी। कर्नाटक में चुनावी रैली में अथवा रोड शो में प्रधानमंत्री के प्रति हर इलाके में जो स्नेह और प्यार देखने को मिला उससे एक बात साफतौर दिखाई दिया कि जब प्रधानमंत्री अपने लिए वोट मांगने निकलते हैं तो वह बिल्कुल अलग मामला होता और कर्नाटक के लोग भी प्रधानमंत्री का चेहरा देखकर ही वोट करते हैं। इसी वजह से भाजपा का वोट प्रतिशत भी बढ़ता है और सीट भी। स्थानीय लोगों से बातचीत और प्रधानमंत्री की सभाओं में आई भीड़ को देखकर यह सहज ही अनुमान लगया जा सकता है कि- जाति-समुदाय से अलग प्रधानमंत्री ने एक ऐसा लाभार्थी तबका तैयार किया हैं, जिनमें कर्नाटक की दोनों वर्चस्वशाली जातियों-लिंगायत- वोक्कालिगा के अलावा दलित- आदिवासी भी बिना किसी लागलपेट प्रधानमंत्री का चेहरा देखकर वोट करते हैं। कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व इस बात को बखूबी समझता है। इस लिए चुनावों के शुरुआती दौर में ही इस मुद्दे को साफ कर दिया कि यह चुनाव मुख्यमंत्री चुनने के लिए है, प्रधानमंत्री चुनने का नहीं। पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से मेहनत कर इस चुनाव में आखिरी दम तक भाजपा के पक्ष करने की कोशिश की, वह किसी भी दल के शीर्ष नेतृत्व के लिए गौरव की बात होनी चाहिए।

गहलोत की राजनीतिक जादूगरी

ललित गर्ग

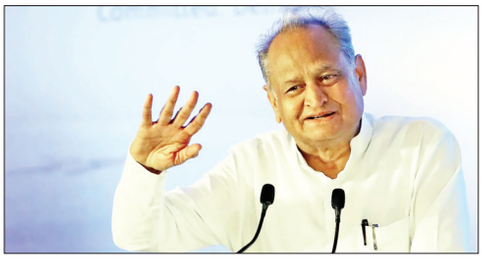

राजनीतिक दांवपेच में महारथ हासिल अशोक गहलोत ने धौलपुर की एक सभा में अपनी राजनीतिक जादूगरी का करिश्मा दिखाते हुए न केवल सचिन पायलेट को पटकनी दी है बल्कि वसुंधरा राजे सिंधिया की प्रशंसा करते हुए उन्हें भी चित कर दिया है। अपने एक ही तीर से उन्होंने राजस्थान की भावी राजनीति की फिजां बदलते हुए न केवल अपने प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलेट के राजनीतिक जीवन पर अंधेरा बिखेर दिया है, बल्कि राजस्थान की दूसरी कद्दावर नेता वसुंधरा के आगामी विधानसभा चुनाव में नेतृत्व को धुंधला दिया है, इस तरह करिश्माई नेता गहलोत ने आगामी विधानसभा चुनावों में अपने लिये रास्ता निष्कंटक बना लिया है।

कांग्रेस के सबसे बड़े रणनीतिकार माने जाने वाले अशोक गहलोत ने सचिन पायलट का राजस्थान का मुख्यमंत्री बनने का सपना ही नहीं तोड़ा है बल्कि कांग्रेस आलकमान को उनकी पार्टी निष्ठा पर सोचने को मजबूर कर दिया है। अशोक गहलोत राजनीति के मंझे हुए खिलाड़ी हैं। वे पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने एवं आगामी चुनाव में अपनी जीत को सुनिश्चित करने के लिये कुछ भी कर सकते हैं कि संभावनाओं को उन्होंने आखिर अंजाम दे ही दिया। कुछ साल पहले एक इंटरव्यू में अशोक गहलोत ने कहा था, 'अगर मैंने कभी राजनीति में एंट्री नहीं की होती तो मैं जादूगर होता। मुझे हमेशा सामाजिक कार्य और जादू के गुर सीखना पसंद था। भविष्य में मुझे जादूगर बनने का मौका नहीं मिल सकता है, लेकिन जादू अभी भी मेरी आत्मा में है। इस प्रकार उन्हें अक्सर कांग्रेस के हलकों में 'जादूगर' कहा जाता है और इसी जादूगरी से उन्होंने अनेक बार राजनीति के चाणक्य होने का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

गहलोत ने रविवार को दावा किया कि 2020 में जब पायलट के द्वारा उनकी सरकार को गिराने की साजिश हुई, तब पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता वसुंधरा राजे ने उनका साथ दिया था। उनकी मदद की बदौलत ही वह साजिश नाकाम की जा सकी थी। गहलोत के मुताबिक, तब सरकार गिराने के लिए कांग्रेस विधायकों के बीच पैसे भी बांटे गए थे। चूंकि सरकार गिराई नहीं जा सकी, इसलिए उन्होंने अपने विधायकों से कहा कि वे पैसे वापस कर दें, लेकिन 'जिन्होंने पैसे दिए वे, पता नहीं क्यों वापस ले ही नहीं रहे।' इस पूरे मामले पर गौर करें तो कई गंभीर सवाल उभरते हैं। अव्वल तो गहलोत ने जो बात नहीं कही, वह यह कि सरकार गिराने की उस कथित साजिश में प्रत्यक्ष भूमिका सचिन पायलट की थी, जो उनकी अपनी पार्टी के हैं। दूसरी बात यह कि अगर खुद गहलोत के कहे मुताबिक उनकी अपनी पार्टी के विधायकों ने पैसे स्वीकार किए तो बतौर मुख्यमंत्री उनका दायित्व बनता था और बनता है कि उन विधायकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत क्यों नहीं दर्ज कराई गयी? जबकि यह सामान्य-सी बात है कि कानूनन रिश्वत देना और लेना दोनों अपराध है। भाजपा ने ऐसी मांग भी की है। लेकिन इन कानूनी पहलुओं से अलग शुद्ध राजनीतिक नजरिए से देखा जाए तो संसदीय लोकतंत्र में विभिन्न पार्टियों के बीच की रस्साकशी कई बार किस तरह के नाटकीय दृश्य उपस्थित कर देती है, उसका यह एक दिलचस्प उदाहरण है। सभी राजनीतिक मूल्यों एवं नैतिकता को किनारे करते हुए गहलोत ने उस घटना का अभी प्रकटीकरण करके आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी को पुष्ट किया है।

राजनीति को लेकर ढेरों मुहावरे बन चुके हैं- राजनीति बदमाशों की अंतिम शरणस्थली है, राजनीति में नीति जैसी किसी स्थिति की कोई जगह नहीं है, प्यार, युद्ध और राजनीति में सब कुछ जायज है, राजनीति में कोई स्थायी मित्र या कोई स्थायी शत्रु नहीं होता, राजनीति अवसर भुनाने की कला है, राजनीति असंभव को साधने की कला है, आदि-आदि। और यह एक रोचक स्थिति है कि राजस्थान ने इन और ऐसे सारे मुहावरों की हकीकत की बानगी किसी न किसी रूप में देख ली है। प्रांत में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार बनती है या नहीं, यह आगामी विधानसभा चुनाव के नतीजों से ही पता चलेगा, लेकिन उससे पूर्व जिस तरह के राजनीतिक समीकरण बन-बिगड़ रहे हैं, जिस तरह की बयानबाजी हो रही है, जिस तरह के दांवपेच सामने आ रहे हैं, उस सबसे हमारी राजनीति का अवसरवादी चेहरा जरूर अलग-अलग रूपों में सामने आ रहा है। ऐसा नहीं कि पहले हमारी राजनीति के विरोधाभासी समीकरण कभी सामने नहीं आए, लेकिन जिस रूप में सामने आ रहे हैं, वह अपने आप में हमारी राजनीति को परिभाषित कर रहे हैं।

राजनीति में झूठ को इतनी खूबसूरती से कहा जाता है कि वह सच लगने लगता है, अरविन्द केजरीवाल आजकल ऐसे झूठ को दिन-रात विभिन्न मंचों से प्रस्तुत करने में लगे हैं, क्या गहलोत भी ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने अपने ही दल के नेता पर जो भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी का आरोप लगाया है, हालांकि ऐसे मामलों की अंतिम सच्चाई कभी सामने नहीं आती। इस मामले में भी किसकी बातों में कितनी सच्चाई है यह पता करना करीब-करीब नामुमकिन है। वसुंधरा राजे ने मुख्यमंत्री गहलोत की बातों को सफेद झूठ कह भी दिया है। लेकिन यह तो सच है कि जब सचिन पायलट अपने करीबी विधायकों के साथ हरियाणा जाकर बैठ गए थे और कांग्रेस विधायकों में अफरातफरी का माहौल बनने लगा था, तभी कुछ समय में माहौल शांत होने लगा, कांग्रेस के विधायक गहलोत के समर्थन में आने लगे और यह स्पष्ट हो गया कि पायलट गहलोत की सरकार गिराने की स्थिति में नहीं रह गए हैं। उस समय भी मीडिया में सूत्रों के हवाले से ये खबरें आई थीं कि परदे के पीछे गहलोत को वसुंधरा राजे का समर्थन मिल चुका है। उसके बाद यह परिदृश्य बना कि कांग्रेसी विधायकों का एक धड़ा समर्थन वापस ले ले तो भी गहलोत की सरकार गिरने की नौबत आना मुश्किल है क्योंकि दूसरी तरफ से उसकी भरपाई हो सकती है। स्वाभाविक ही उसके बाद कांग्रेस विधायकों में बगावत का जोश ठंडा पड़ गया। राजनीति में ऐसे दांव-पेच नये नहीं हैं। लेकिन दिलचस्प है कि एक समय जिनकी मदद से सरकार बची, दूसरे समय उन्हीं को अपने राजनीतिक लाभ के लिये प्रस्तुत करने में गहलोत नहीं हिचक रहे और जिन लोगों ने कथित तौर पर मदद की, वे धन्यवाद स्वीकार करने तक में न केवल घबरा रहे हैं बल्कि सराहना का जवाब आक्रामक आरोपों से दे रहे हैं। सचमुच राजनीति एक अजीब खेल है, एक शतरंज है। गहलोत ने वसुंधरा की प्रशंसा किसी कृतज्ञ-भावना से नहीं की है, बल्कि भाजपा का भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार कम-से-कम वसुधरा न हों, इस कुटिल कुचेष्टा से की है।

गहलोत का धौलपुर सन्देश या उद्बोधन राजस्थान की जनता के नाम खुला आह्वान कहा जा सकता है जिसमें उन्होंने शिखर राजनीति के दांव-पेंचों को जनता की अदालत में विमर्श के लिये पेश कर दिया है। सवाल यह भी है कि गहलोत ने इस किस्से का जिक्र अभी क्यों किया जबकि एक तरफ कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई और वहां के चुनावों में कांग्रेस नेताओं ने धन-बल के बूते पर 2018 में बनी जनता दल (स) व कांग्रेस की साझा सरकार को डेढ़ साल बाद ही धन-बल के बूते पर तोड़ने का आरोप अपने चुनावी विमर्श में शामिल किया हुआ है और दूसरी तरफ राजस्थान में ही पिछले लगभग डेढ़ महीने से सचिन पायलट यह मांग कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री को अपने से पहले सत्ता में रही वसुंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करनी चाहिए। इस ताजा उद्बोधन के माध्यम से गहलोत राज्य की जनता को बड़ी चतुराई के साथ सावधान कर रहे हैं कि सचिन पायलट द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ चलायी जा रही मुहिम अनैतिक तरीकों को वैधता प्रदान के लिए है वहीं वसुंधरा राजे के कथित भ्रष्टाचार की जांच करने की मांग के पीछे पायलट का उद्देश्य उनसे बदला लेने का ही है। देखना होगा कि राजस्थान की जनता अपने भावी राजनीतिक नेतृत्व को लेकर क्या सोच बनाती है? वह खुद को भरमाने एवं गुमराह होने से कितना बचा पाती है? मतदाता हर बार ठगा जाता है। कहने को चुनाव लोकतंत्र का महाकुंभ होता है, लेकिन इसी महाकुंभ में सर्वाधिक लोकतंत्र के हनन की घटनाएं होती है, जो चिन्ता का कारण बननी चाहिए।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

संन्यासोपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

अवधूत नामक संन्यासी किसी भी तरह का नियम नहीं मानता। पतित और निन्दित के अतिरिक्त समस्त जातियों में अजगर वृत्ति से आहार प्राप्त करने वाला होता है। वह अपने स्वरूप की खोज में ही सतत लगा रहता है। यह जो वृक्ष, घास-पात, पर्वत आदि सम्पूर्ण विश्व है, वह मेरे से अलग है। जो कुछ बाह्य जगत् में दृष्टिगोचर हो रहा है, वह अत्यन्त जड़ है। मैं किस तरह उसमें स्थित रह सकता हूँ; क्योंकि मैं विराट् हूँ, काल के द्वारा कल्पित एवं जल्दी ही विलय होने वाला भी मैं नहीं हूँ। मैं (संन्यासी) वह जड़ शब्द रूप नहीं हूँ; जो कि क्षण मात्र ही ठहरता है। शून्य आकृति एवं स्वरूप से युक्त अचेतन भी मैं नहीं हूँ।

30। इस प्रकार क्षण भर में नष्ट होने वाली एवं बनने-बिगड़ने वाली त्वचा भी मुझसे अलग है। (अचेतन) स्पर्श नहीं हूँ, जो कि चैतन्यता के प्रभाव से आत्मानुभूति प्राप्त करता है।

चंचलता से युक्त मन एवं मन से युक्त जिह्वा द्वारा द्रव्य से उत्पन्न तुच्छ स्पन्दन शक्ति भी मैं नहीं हूँ। इसी तरह से दृश्य एवं दर्शन के विलीन हो जाने से विनष्ट हो जाने वाला अचेतन जड़ अनुभव भी मैं नहीं हूँ, मैं तो केवल द्रष्टा मात्र हूँ। गन्ध भी जड़ पदार्थ से युक्त तथा घ्राणेन्द्रिय के द्वारा परिकल्पित है, ऐसी तुच्छ जड़-गन्ध भी मैं नहीं हूँ। मैं (संन्यासी) पञ्च इन्द्रियों के भ्रम से विहीन, मनन रहित, शान्त स्वरूप से युक्त तथा मलिनता रहित शुद्ध चैतन्य मात्र हूँ।

मैं (संन्यासी) चैतन्य से भी परे चिन्मात्र प्रकाश से युक्त हूँ। मैं बाह्य एवं अन्त में संव्याप्त रहने वाला निष्कल (कलारहित), निरञ्जन, निर्विकल्प, चिदाभास एवं सर्वत्र व्याप्त रहने वाला आत्मतत्त्व हूँ। मुझ एक चैतन्य स्वरूप के द्वारा ही घट-पट आदि से लेकर सूर्य पर्यन्त सभी दीपक के सदृश तेजवान् विनिर्मित किये जाते हैं। ये सभी इन्द्रियों की विचित्र एवं भिन्न-भिन्न प्रकार की वृत्तियाँ (पंक्तियाँ) मेरे अन्त:करण के प्रकाश से ही प्रादुर्भूत होती हैं। जैसे-अग्नि से चिनगारियाँ नि:सृत होती हैं। यह पवित्र चिन्मय दृष्टि अन्तरहित, शाश्वत, आनन्द का उपभोग करने वाली एवं अत्यन्त शान्ति प्रदान करने वाली है। यह अन्य समस्त दृष्टियों पर विजय पाने वाली है। यह मुक्तात्मा सभी तरह की भावनाओं में स्थायी रूप से स्थित रहता है, यह चैत्य अवस्था से भी मुक्त चिदात्मा है। इस प्रत्येक चैतन्य रूप वाले आत्मा को नमस्कार है। कला एवं कल्पनाविहीन चित्शक्ति से ही इन विचित्र, स्वच्छ तथा समभाव सम्पन्न शक्तियों का प्राकट्य हुआ है। यह चित् शक्ति तीनों कालों में सर्वाधिक शक्ति सम्पन्न, दृश्य जगत् के बन्धनों से मुक्त है। यह वाणी से न जाने जा सकने वाली है। शाश्वत असत्ता तथा निरति आत्मा के सदृश वही शेष रहती है। जो चित्शक्ति इच्छा एवं अनिच्छा में स्थित है, वह मलों से आच्छादित है तथा पाश से आबद्ध पक्षिणी की भाँति उड़ने में असमर्थ होती है।

क्रमश:...

सुशासन का पर्याय थीं राजमाता अहिल्यादेवी होलकर

प्रहलाद सबनानी

भारतीय संस्कृति का पालन करते हुए अपनी राज्य सत्ता को सफलतापूर्वक चलाने के सिलसिले में भारत का इतिहास यूं तो कई सफल नेत्रियों एवं महारानियों से भरा पड़ा है, परंतु यह इतिहास हमें पढ़ाया ही नहीं जाता है। इसी कड़ी में मालवा राज्य की राजमाता अहिल्यादेवी होलकर का नाम भी बहुत गर्व के साथ लिया जाता है। आपने मालवा राज्य पर 28 वर्षों (1767 से 1795) तक शासन किया। यह काल आज भी सुशासन और उत्कृष्ट व्यवस्था की दृष्टि से याद किया जाता है। आप एक बेहद संवेदनशील शासक और धर्मपरायण व्यवस्थापक थीं। अपने पूरे जीवनकाल में आप जनता के बीच बेहद सम्माननीय एवं लोकप्रिय शासक रहीं। महारानी अहिल्यादेवी होलकर को मध्यप्रदेश के मालवा और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में आज भी सम्मान से राजमाता एवं देवी कहकर ही सम्बोधित किया जाता है।

अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के जामखेड में चोंडी गांव में एक धनगर जाति के परिवार में हुआ था। उस समय सामान्य परिवारों में लड़कियों की पढ़ाई लिखाई के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, परंतु उनके पिता श्री मनकोजीराव शिंदे ने अहिल्याबाई को बचपन में पढ़ने लिखने के लिए प्रोत्साहित किया एवं अपने घर पर ही शिक्षा प्रदान करवाई।

राजमाता ने अस्त्र शस्त्र से सुसज्जित होकर कई बार युद्ध में अपनी सेना का नेतृत्व खुद किया था। आपने गोहाड का क़िला जीतकर युद्ध में अपनी प्रथम जीत दर्ज की। उनकी धार्मिकता के बाद जनता ने उनकी वीरता भी देखी। वे एक साहसी योद्धा और बेहतरीन तीरंदाज थीं। आप हाथी की पीठ पर चढ़कर लड़ती थी। हमेशा आक्रमण करने को तत्पर भील और गोंड्स से उन्होंने कई बरसों तक अपने राज्य को सुरक्षित रखा।

राजमाता की शासन व्यवस्था का सबसे बड़ा बदलाव था सेना को राज्य से अलग करना। आपने अपने विश्वासपात्र सूबेदार तुकोजीराव होलकर को अपना सेनापति बनाया था, जिनके पास सेना की पूरी कमान थी वहीं राजमाता ने शासन और प्रशासन की जिम्मेदारी खुद के पास रखी थी। आपने राज्य और अपने स्वयं के खर्चे को भी अलग किया यानि जो खर्चा वो खुद पर करती वो उनका अपना संचित धन रहता था और राज्य के बेहतरी के लिए खर्चा राजकोष से आता था। यानि शासन व्यवस्था में उस समय उन्होंने एक अलग स्तर की पारदर्शिता को स्थापित किया। आप न्याय के प्रति बहुत सजग रहीं एवं अपने राज्य में नियमबद्ध न्यायालय बनवाए। गावों में पंचायतों को न्यायदान के व्यापक अधिकार दिए। आपने महिला सशक्तिकरण के लिए विधवा महिलाओं को उनके हक दिलवाने के लिए कानून में कई बदलाव किए एवं विधवा महिलाओं को उनके पति की सम्पत्ति को हासिल करने का अधिकार दिलवाया। आपने विधवाओं को पुत्र गोद लेने का हकदार बनाया।

इमरान खान तो जेल गए, पाकिस्तान में अब क्या होगा?

रहीस सिंह

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के मुखिया और पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी हो चुकी है और नतीजे के तौर पर कराची से क्रेटा तक पाकिस्तान जल रहा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आगे की पटकथा कौन लिखेगा? पाकिस्तान की सेना या जनता? यदि जनता ने लिखा तो पाकिस्तान सेना के 'इतिहास का अंत' हो जाएगा और ऐसा वह किसी कीमत पर होने नहीं देगी। तो क्या पाकिस्तान एक फिर मार्शल लॉ की गिरफ्त में होगा?

इमरान खान की मंगलवार को हुई गिरफ्तारी नेशनल एकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (नैब) द्वारा 1 मई को जारी किए गए वॉरंट के तहत हुई है, जिसमें उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। यह गिरफ्तारी अल कादिर ट्रस्ट मामले में हुई है, जिसके ट्रस्टी इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी हैं। अल कादिर ट्रस्ट मामला तत्कालीन इमरान खान सरकार में एक रियल एस्टेट कारोबारी के साथ हुए समझौते से जुड़ा है, जिससे सरकारी खजाने को करीब 19 करोड़ पाउंड की क्षति हुई। इमरान खान के खिलाफ यह अकेला मामला नहीं है। अपदस्थ होने के बाद से उन पर सवा सौ के आसपास मुकदमे दर्ज हुए हैं जिनमें भ्रष्टाचार, राजद्रोह, आतंकवाद, ईशनिंदा जैसे आरोप भी शामिल हैं। ये मुकदमे उन्हें जेल पहुंचाने के लिए ही नहीं, राजनीति से बाहर करने के लिए भी पर्याप्त हैं।

यह बात इमरान को भी मालूम है। तभी उन्होंने इस्लामाबाद हाई कोर्ट जाने से ठीक पहले एक विडियो रेकॉर्ड किया, जिसे उनकी पार्टी ने सोशल मीडिया पर अपलोड किया। इसमें इमरान कह रहे हैं, 'जब मेरी बातें आप तक पहुंचेंगी, तब तक एक निराधार मामले में मुझे गिरफ्तार किया जा चुका होगा। इससे पता चलता है कि देश में मौलिक अधिकारों और लोकतंत्र को दफन कर दिया गया है। यह इसलिए किया जा रहा है कि क्योंकि वे चाहते हैं मैं उस भ्रष्ट, आयातित सरकार को स्वीकार कर लूं, जो हम पर थोपी गई है।' वह विडियो में पाकिस्तान के लोगों से पूछ रहे हैं कि क्या आप लोग तैयार हैं?

शायद वह विडियो के जरिये जो मकसद पूरा करना चाहते थे, उसमें सफल भी हो गए, लेकिन पाकिस्तान अराजकता के दलदल में और गहरे धंस गया। क्या कोई कल्पना कर सकता है कि जो राष्ट्र दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच गया हो, जहां विदेशी आयात हेतु भुगतान के लिए विदेशी मुद्रा भंडार शून्य के करीब पहुंच रहा हो, जिसके राजनेता अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अपने समधर्मी राष्ट्रों के घास खाने जैसी ही स्थिति में है।

हालांकि, आज की तारीख में इमरान खान पाकिस्तान के अंदर लोकप्रियता में सबसे आगे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वह पाकिस्तान की नजीर और व्यवस्था बदल देंगे। सच तो यह है कि आज इमरान खान उतने ही कमजोर हैं जितने 2018 में मियां नवाज शरीफ थे। इमरान शायद भूल रहे हैं कि इस्लामाबाद का पॉलिटिकल इस्टैब्लिशमेंट रावलपिंडी के डीप स्टेट के मुकाबले कुछ भी नहीं। इसलिए उनकी गिरफ्तारी के बाद मंगलवार को जो कुछ पाकिस्तान में हुआ, पहली नजर में उसे देखकर लग सकता है कि पाकिस्तान की जनता रावलपिंडी को चुनौती देने में सफल हुई। लेकिन यह मुकम्मल तस्वीर नहीं है। इसके दूसरे हिस्से में सेना का वह रूप भी हो सकता है, जो चीन के थ्येन आन मन स्क्वायर पर रेड आर्मी का था या वह जो पाकिस्तान में अयूब खान से लेकर मुशर्रफ तक रहा।

फिर भी अभी इमरान खान को लग रहा है कि अपार लोकप्रियता के कारण पाकिस्तान के अंदर कोई उनका रास्ता नहीं रोक सकता। सरकार भी इस स्थिति को समझ रही है। इसलिए वह भी बैकफुट पर है। यदि यह मान लिया जाए कि अगला चुनाव जीतकर इमरान खान प्रधानमंत्री बन जाते हैं, तब भी क्या वह सेना से निरंतर टकराव के बीच सत्ता चला पाएंगे? बिल्कुल नहीं।

इमरान अभी शायद इस भ्रम में हैं कि राजनीतिक तंत्र सैन्य तंत्र पर हावी हो जाएगा या उसे कमजोर कर देगा। ऐसा है तो उन्हें जिन्ना के उस पाकिस्तान की समझ ही नहीं है, जो 75 वर्षों के इतिहास में लगभग आधे समय तक सेना के बूटों के नीचे रहा और शेष समय में सेना के गाइडेंस व चरमपंथियों के प्रभाव में। इमरान खान का निरंतर सेना पर हमला उन्हें लोकप्रिय तो बना रहा है, लेकिन ताकतवर नहीं। याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान की न्यायपालिका वहां सैन्य तख्तापलट को सफल क्रांति तक का दर्जा दे चुकी है। ऐसे में इस बात की संभावना अधिक है कि इमरान खान अब लंबे समय तक जेल में रहेंगे। सरकार और सेना अगला चुनाव उन्हें जेल में रखकर ही करवाएगी। ठीक वैसे ही जैसे वर्ष 2018 में नवाज शरीफ को जेल में रखकर चुनाव कराए गए थे।

बहरहाल पाकिस्तान इस वक्त जिस राजनीतिक, आर्थिक और संवैधानिक संकट से गुजर रहा है, उसे देखते हुए वहां दो ही संभावनाएं हैं। पाकिस्तान या तो गृहयुद्ध की आग में झुलसेगा या फौजी बूटों के नीचे कुचला जाएगा। इमरान खान तो इसे समझने से रहे। देखना यह है कि पाकिस्तानी जनता इसे समझ पाती है या नहीं।

बापू की दिनचर्या

शौच (भाग-3)

गतांक से आगे...

और, जब बच्चों को दूध नहीं मिल पाता, जिनका यह पूर्ण आहार है, तब बड़ी उम्र के लोग दूध के बिना निर्वाह कर सकते हैं। अमीर और गरीब का प्रश्न यहाँ अपने-आप उपस्थित हो जाता है। अंत में उन्होंने अपने साथी मि. कलनवक के आग्रह से सन् 1912 में टालस्टाय-फार्म में न केवल गाय के, बल्कि किसी भी पशु के दूध का परित्याग करने का संकल्प कर लिया-यहाँ तक कि गाय-भैंस के घी और मट्ठे तक का परित्याग कर दिया। बाद में सन् 1918 में में आँव की बीमारी के बाद डॉक्टरों द्वारा दूध लेना अनिवार्य बताने पर बा के विशेष आग्रह से उन्होंने बकरी का दूध किसी प्रकार स्वीकार किया, लेकिन उसे भी छोड़ने की धुन में वे बराबर रहा करते। उसका सेवन करते समय वे नित्य कष्ट का अनुभव करते। कहते कि इस लोभ में पड़ना ठीक नहीं हुआ; किंतु जीवित रहने की प्रबल आकांक्षा ने ऐसा करने के लिए विवश कर दिया। बापू के लिए आश्रम में जो बकरी थी, उसे नहलाया और बहुत आराम से रखा जाता। उसके थनों को वे खूब अच्छी तरह धुलवाते और उसके बच्चे को पहले भर-पेट दूध पिलाकर तब दुहवाते। दूध पर सबसे प्रथम उसका और उसकी तृप्ति हो जाने पर वे अपना अधिकार मानते। गाय का दूध त्यागने और बकरी का दूध ग्रहण करने पर भी बापू दूध का प्रतिनिधित्व करनेवाले द्रव्यों के प्रयोगात्मक परीक्षण बराबर करते रहे। दूध में मौजूद शक्ति बहुत-कुछ अंशों में जैतून के तेल और बादाम की गिरी में है, ऐसा उन्होंने अनुभव किया। न केवल पूरक रूप में, बल्कि दूध की खराबियों से रहित इन दोनों को वे बताते। वे मानते कि बादाम का सेवन करने के बाद दूध की कोई खास जरूरत नहीं रहती। दूध से बनने वाली छाछ के बजाय नींबू, बादाम की गिरी तथा घी के स्थान पर जैतून का तेल एवं कच्चे नारियल की गिरी को कसकर और उसमें पानी मिलाकर साफ कपड़े से छानकर निकाले दूध का उपयोग वे किया करते।

क्रमश:...

संक्षिप्त समाचार

10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को गृहमंत्री ने दी शुभकामनाएं

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं और 12वीं की परीक्षा के आज घोषित हुए परिणामों में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल और सुनहरे भविष्य की कामना की है। उन्होंने उन विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हुए सन्देश दिया है जो अपने परिणामों से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने कहा जो विद्यार्थी अपने परिणामों से संतुष्ट नहीं हैं, वो हताश ना हों। ज़िंदगी में कई अवसर आयेंगे। आप सभी प्रयास करते रहिये, सफलता निश्चित ही आपके कदम चूमेगी।

उमरगांव में भंजदेव ने सभा लेने के पश्चात कार्यकर्ताओं की ली बैठक

नगरी। बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव ने उमरगांव में आम सभा को संबोधित किया जहां उन्हें सुनने को हजारों की भीड़ इकट्ठा थी सभा स्थल के चाक-चौबंद व्यवस्था को देखकर कार्यक्रम प्रभारी सांसद प्रतिनिधि मोहन पुजारी का जमकर तारीफ किए। भंजदेव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने भगवान राम को सालों तक ताले में बंद करके रखा था, और अब बजरंगबली को ताला जड़ने की तैयारी कर रही है. लेकिन हम सभी भगवान राम के भक्त हैं और हमें बजरंगबली की तरह कांग्रेस रूपी लंका का दहन करना है। कार्यक्रम को संबोधित करने के पश्चात तोषण साहू के निवास में कार्यकर्ताओं की बैठक ली गई एवं बूथ स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप और बूथ सशक्तिकरण काम करने के गुर बताए। मण्डल अध्यक्ष अकबर कश्यप ने भंजदेव व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

गुंडरदेही ब्लाक में बोर खनन के लिए भूमि पूजन किया गया

अंडा। कांकेर लोक सभा क्षेत्र के सांसद मोहन मंडावी के अनुशंसा पर जनपद पंचायत गुण्डरदेही अन्तर्गत ग्राम पंचायत पसौद, गुरेदा, साजा, देवरी (ख) में बोर खनन के लिए सांसद प्रतिनिधि थानसिंह मंडावी ने भूमि पूजन किया। ग्रामीणों की मांग पर पेय जल समस्या को देखते हुए सांसद को अवगत कराया गया जिस पर सांसद मोहन मंडावी ने अनुशंसा कर स्वास्थ यांत्रिकी विभाग बालोद को निर्देशित किया जिस पर तत्काल बोर खनन के लिए स्वीकृति प्रदान की। भूमि पूजन के अवसर पर सरपंच खिलेंद्र साहू , भूपेन्द्र निषाद, सरपंच जीवन लाल साहू, कमलेश पांडे, सरपंच रोहित निर्मलकर, पूनम साहू, चिंतामणि देशमुख, चूरामन यादव, पारख साहू, जगन निषाद, किरण साहू, सुखदेव साहू, सुरेश सारथी, राजू साहू, डोगेश्वर देशमुख, टोमेश साहू, संतोष निषाद, लोकेंद्र साहू, ठामन विश्वकर्मा सहित ग्रामवासी उपस्थित थे एवम् सांसद मोहन मंडावी को धन्यवाद दिया ।

बालोद में तेंदूपत्ता तोड़ने गए युवक पर भालू ने किया हमला, अस्पताल में भर्ती

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के ग्राम नर्रा गांव में भालू ने एक युवक पर हमला कर दिया है। जानकारी के अनुसार गांव से लगे जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गए युवक 23 वर्षीय दयानन्द पर भालू ने हमला कर दिया। जिससे उसके शरीर के कई हिस्सों में बुरी तरह चोंट आई हैं। वहीं उसके साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गए दूसरे युवक ने भालू को आता देख पेड़ के पीछे छुपकर अपनी जान बचाई। हमले के बाद घायल दयानंद ने जैसे-तैसे भालू के चंगुल से अपनी जान बचाई और गांव पहुंचा। जिसके बाद ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस की मदद से घायल दयानंद को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उसका इलाज जारी है।

युवक की एक्टिवा के साथ ही आईफोन पार

रायपुर। वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर के निकट से किसी अज्ञात आरोपी ने एक युवक की एक्टिवा व मोबाइल फोन पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ जुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी पीयूष शर्मा पिता स्व. सनत कुमार शर्मा 23 वर्ष निवासी मांदर किसी काम से वीआईपी रोड पहुंचा था। अत्यधिक धूप व गर्मी होने के कारण प्रार्थी की तबियत खराब हो गई तो वह राम मंदिर के निकट पहुंचकर आराम करने लगा। इसी दौरान किसी अज्ञात आरोपी ने प्रार्थी की एक्टिवा क्रमांक सीजी 04-एन ई/4034 एवं 1 नग आई फोन कुल कीमत करीब 65000 रूपए लेकर भाग निकला। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ जुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

गौशाला के नाम पर जारी चेक से अज्ञात ने बैंक से निकाले 19 हजार

रायपुर। महावीर गौशाला ब्रांच के चेक बॉक्स से किसी अज्ञात चोर ने एसबीआई बैंक का चेक पार कर लिया तथा से दूसरे बैंक में जाकर क्लीयर करा लिया। मामले में गंज थाना पुलिस ने अपराध दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थी सोनू साहू पिता मिलन साहू निवासी पहाड़ी चौक गुढ़ियारी उर्दू अकादमी आरडीए बिल्डिंग में चपरासी का काम करता है। उसने महावीर गौशाला ब्रांच के नाम से जारी एक चेक रकम 19 हजार 428 रूपए जो कि एसबीआई का था। गौशाला के चेक बॉक्स में डाल दिया था। इस चेक को किसी अज्ञात व्यक्ति ने निकालकर एसबीआई बैंक लक्ष्मी प्लाजा बूढ़ापारा पहुंचकर क्लीयर करा लिया। बाद में इसकी जानकारी मिलने पर प्रार्थी ने इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है।

ईडी ने ज्यादा संपत्ति दिखाने के लिए घर का कर दिया बंटवारा: देवेंद्र

■ मां के द्वारा खरीदे घर के आधे हिस्से के साथ ही विधानसभा द्वारा दी जा रही सैलरी को किया अटैच

भिलाई। विधायक देवेन्द्र यादव ने अपनी मां को समन भेजने पर कहा कि, माँ महज बच्चे की जननी ही नहीं होती, बल्कि परिवार को संभालने का आधार होती है, लेकिन यहां तो ईडी परिवार को संभालने वाली 70 वर्षीय वृद्ध मां को परेशान कर रही है। विरोधी दल के इशारे पर मेरे परिवार को परेशान करने का कार्य कर रही है। मेरी मां को पहले तो नोटिस जारी किया। अब उनकी पुश्तैनी संपत्ति को अटैच कर सीज करने की कार्रवाई कर रही है। ईडी ने ज्यादा संपत्ति दिखाने के लिए घर का कर दिया बंटवारा,मां के द्वारा खरीदे घर के आधे हिस्से के साथ ही विधानसभा द्वारा दी जा रही सैलरी को भी अटैच कर दिया।

विधायक यादव ने आज सुबह पीसी में ईडी की संपत्ति अटैचमेंट की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि, जिस तरह से दुनिया का हर मां-बाप अपने बच्चों के रहने के लिए आश्रय बनाता है। मैं घर का सबसे छोटा सदस्य हूं इसीलिए ठीक उसी तरह से मेरी मां ने मेरे पिताजी के गुजर जाने के बाद जब मैं 21 वर्ष का हुआ तो 2011 में बैंक से लोन लेकर हाउसिंग बोर्ड से 13 लाख में मकान खरीदा था। जब मकान खरीदा तब ढाई लाख रुपए जमा किया था । बाकी राशि को पंजाब नेशनल बैंक में किस्त के माध्यम से अदा किया और 2020 में लोन क्लीयर हुआ। जिसका पूरा रिकॉर्ड है। इसके बावजूद मेरी वृद्ध मां को समन जारी कर परेशान कर दिया है।

ईडी ने मेरे नाम पर ज्यादा संपत्ति दर्शा कर मुझे बदनाम करने की नीयत से परिवार के पुश्तैनी घर का बंटवारा कर दिया। ईडी ने मेरे नाम पर कुल 19 लाख 81 हजार 210 रुपए सीज किया है। इसमें छत्तीसगढ़ विधानसभा से मुझे मिलने वाली सैलेरी 8 लाख रुपए है और बाकी 10 लाख घर की कीमत का पैसा है। जो मेरी मां और बड़े भैय्या के नाम पर है। उस घर के आधा हिस्सा मेरे नाम पर जोड़कर 19 लाख रुपए बनाया है।

विधायक ने ये भी किहा कि भिलाई जनता इस बात से भली भांति वाकिफ है कि, भिलाई ही मेरा घर है और भिलाई की जनता ही मेरा परिवार है। परंतु भाजपा को यह भिलाई की जनता के साथ मेरा पारिवारिक रिश्ता खटक रहा है। इसलिए उन्हें, हमें परेशान करने का टारगेट दिया गया है।

शराब घोटाले में कारोबारी पप्पू ढिल्लन और होटल प्रमोटर गिरफ्तार, ढेबर की कस्टडी बढ़ी

भिलाई। छत्तीसगढ़ में कथित दो हजार करोड़ के शराब घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई जारी है। ईडी ने इस मामले में गुरुवार को भिलाई से शराब कारोबारी पप्पू ढिल्लन को गिरफ्तार किया है। टीम ने उसे लेकर रायपुर पहुंची और कोर्ट में पेश किया गया है। जहां मामले की सुनवाई जारी है। वहीं मेयर एजाज ढेबर के भाई और शराब कारोबारी अनवर ढेबर की हिरासत अवधि को कोर्ट ने बढ़ा दिया है। ईडी ने बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में रायपुर के होटल कारोबारी नितेश पुरोहित को भी गिरफ्तार किया था।

ईडी ने 14 दिन की मांगी है रिमांड : जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम ने गुरुवार सुबह भिलाई स्थित शराब और होटल कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन उर्फ पप्पू ढिल्लन के आवास पर छापा मारा था। उन्हें हिरासत में लेकर काफी देर तक पूछताछ की गई। इसके बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और रायपुर लेकर पहुंची है। यहां पर पप्पू ढिल्लन को विशेष कोर्ट में पेश किया गया है। ईडी ने उनकी 14 दिन की रिमांड मांगी है। ईडी का दावा है कि, शराब घोटाले में पप्पू ढिल्लन की भी भूमिका है और इसके सबूत मिले हैं।

होटल कारोबारी की तबीयत बिगड़ी : दूसरी ओर ईडी की टीम ने बुधवार दोपहर को रायपुर के होटल कारोबारी नितेश पुरोहित को गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से अदालत को बताया गया था कि अनवर ढेबर के अवैध संचालन के बारे में पुरोहित जानते थे और आईएएस अनिल टुटेजा और एक अन्य व्यक्ति की इस पूरे मामले में मदद करते थे। फिलहाल गिरफ्तार किए जाने के बाद ही कारोबारी नितेश पुरोहित की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद उनका उपचार चल रहा है। इस मामले में अनवर ढेबर पकड़े गए पहले व्यक्ति थे।

अनवर ढेबर की हिरासत पांच दिन बढ़ाई गई : रायपुर मेयर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर की चार दिन की रिमांड बुधवार को खत्म हो गई। इसके बाद पीएमएलए कोर्ट में उनकी रिमांड अवधि को पांच दिन के लिए बढ़ा दिया है। उनके वकील राहुल त्यागी ने कहा कि कोर्ट ने जांच एजेंसी को निर्देश दिया है कि आरोपी को किसी भी तरह से परेशान न किया जाए। अदालत ने एजेंसी को यह भी निर्देश दिया है कि आरोपी को किसी तरह की यातना या उत्पीड़न दिया गया है या नहीं, यह पता लगाने के लिए पूछताछ की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग को संरक्षित की जाए।

चावल घोटाले की जांच के लिए पहुंची केन्द्रीय टीम

रायपुर। केन्द्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल को पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमनसिंह द्वारा दस्तावेजों के साथ राज्य में केन्द्र से भेजी गई चावल पर घोटाला होने की जानकारी देते हुई जांच की मांग की गई थी,संदर्भ केन्द्रीय जांच टीम छग पहुंची है। दरअसल पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमनसिंह ने पिछले दिनों केन्द्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर अवगत कराया था कि कोविडकाल के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ में निवासरत्त गरीब परिवारों के लिए 11 लाख 53 हजार 380 क्विंटल चावल प्रतिमाह राज्य सरकार को आवंटित किया जा रहा है। इस प्रकार अप्रैल 2020 से दिसंबर 2022 तक कुल 33 माह केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार को 3 करोड़ 80 लाख61 हजार 540 चावल का अतिरिक्त आवंटन किया था। राज्य सरकार द्वारा इस अवधि में गरीब परिवारों को 2 करोड़ 29 लाख60 हजार 711 क्विंटल चावल वितरण किया गया है। इस प्रकार 1 करोड़ 50 लाख 80 829 क्विंटल चावल का वितरण नहीं किया गया। जिसका वर्तमान में बाजार मूल्य 3400 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से लगभग 5 हजार 127 करोड़ रुपए होता है। इतनी की अनियमितता की गई है।

जनता में ही ईश्वर का वास जनता की सेवा ही हमारा धर्म

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज अपने प्रदेशव्यापी भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत मस्तूरी विधानसभा के सीपत पहुंचे। भेंट मुलाकात के अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच उन्होंने सीपत में ग्रामवासियों द्वारा आयोजित श्रीमद् देवी भागवत महापुराण के प्रसंगों का श्रवण किया। भागवत महापुराण कार्यक्रम का अयोजन 4 मई से 12 मई तक किया गया है। इस दौरान राजस्व, आपदा प्रबंधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि सिंह भी मौजूद हैं।

उन्होंने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह हम मंदिरों में देवी की पूजा करते हैं। वैसा ही सम्मान मातृशक्ति का घर में भी करते रहें। जो समाज महिलाओं का सम्मान करता है वो आगे बढ़ता है। जो समाज महिलाओं को उचित जगह नहीं देता, वो समाज पिछड़ जाता है। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी सशक्त भूमिका दर्ज करा रहीं हैं। नारी शक्ति को पूरा सम्मान देना है। हमारी सरकार में महिलाओं को पूरा सम्मान दिया जा रहा है। जनता में ही ईश्वर का वास है। जनता की सेवा ही हमारा धर्म है।

सेजेस मालखरौदा में निष्पक्ष लॉटरी से विद्यार्थियों का प्रवेश

मालखरौदा। नवीन जिला सक्ती के ब्लॉक मुख्यालय मालखरौदा में स्थित स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय मालखरौदा में लॉटरी के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया जा रहा। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार सेजेस विद्यालयों के लिए 10 अप्रैल से 05 मई तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे ।

दिनाँक 06 मई एवं दिनाँक 08मई व 09 मईको सेजेस मालखरौदा में सेजेस मालखरौदा प्राचार्य एच.एल. भारती के मार्गदर्शन एवं एस. के. कमलेश प्राचार्य शास.उ.मा.वि. सकर्रा के विशेष सहयोग से लॉटरी के माध्यम से विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है । लॉटरी प्रक्रिया के प्रथम दिवस दिनाँक 06 मई को कक्षा 10वीं, 11वीं (गणित, विज्ञान एवं वाणिज्य) 12 वीं (गणित, विज्ञान एवं वाणिज्य) संकाय हेतु प्राप्त आवेदनों में लॉटरी के माध्यम से चयन किया गया । लॉटरी के माध्यम कक्षा 10 वीं में दीपिका नेताम और उमेश कुमार वारेन का चयन हुआ। कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय में मेधावी साण्डे, पिंकी साहू, कीर्ति साहू, दिशा चन्द्रा साक्षी चन्द्रा, संजना चंद्रा, नीतू साहू, दीपेश लहरे का चयन हुआ । कक्षा 11 वीं गणित एवं वाणिज्य संकाय में रिक्त सीट से कम आवेदन प्राप्त होने के कारण गणित संकाय में-भावेश बरेठ, छत्रपाल मैत्री, जितेंद्र बरेठ, विवेक कुमार, अमित खूंटे, निखिल रत्नाकर, दिनेश सिंह सिदार एवं वाणिज्य संकाय में दीपक कुमार कश्यप, प्रदीप बरेठ, आदित्य सिंह, अतुल केरकेट्टा, कुमुद निर्मलकर का चयन किया गया । इसी प्रकार कक्षा 12 वीं विज्ञान संकाय में आशीष कुमार जायसवाल, मनीष कुमार साहू एवं तृप्ति का चयन किया गया । द्वितीय दिवस दिनाँक 08 मई को कक्षा 4थी, 5वीं, 7वीं और 8वीं की लॉटरी निकाली गई जिसमें कक्षा 4थी में हेमलता चंद्रा और सोहम कुमार चन्द्रा । कक्षा 5वीं में सिमरन टण्डन और शिवम कुमार बंजारे। कक्षा 7वीं में रत्ना रत्नाकर, रानू बरेठ, शालिनी चन्द्रा, पूर्णिमा गवेल, राहुल कुर्रे, किरण चन्द्रा, देवेंद्र कुमार जाटवर और देवेश चन्द्रा । कक्षा 8वीं में गीतांजली, पूनम यादव, प्राची कुमारी कर्मवीर, देविका खुराना और शिव कुमार साहू का चयन हुआ । कक्षा पहली में रिक्त 50 सीट के लिए र 50% बालिकाओं के लिए 25% बी.पी.एल. के लिए एवं 25% अन्य के लिए आरक्षित थे का लॉटरी के माध्यम से प्रवेश दी गई है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार इसी क्रम से प्रत्येक कक्षा हेतु विद्यार्थियों का चयन किया गया है। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सक्ती जिले में सेजेस मालखरौदा पहला विद्यालय है जिसने सर्वप्रथम लॉटरी के माध्यम से विद्यार्थियों का चयन किया है।

श्री तुलसी पीठ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पद पर डॉ. अंजू शुक्ला का मनोनयन

बिलासपुर। डी.पी. विप्र महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती अंजू शुक्ला का श्री तुलसी पीठ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पद पर मनोनयन किया गया है इस पद पर उनका मनोनयन डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तुलसी जन्म भूमि न्यास एवं सनातन धर्म परिषद के द्वारा किया गया ।

डॉ. श्रीमती अंजू शुक्ला को इस पद पर मनोनीत किये जाने पर डॉ. स्वामी भगवदाचार्य ने कहा कि डॉ. अंजू शुक्ला के मार्गदर्शन में छ.ग. में तुलसी साहित्य का प्रचार प्रसार और प्रत्येक जिलों में तुलसी पीठ की स्थापना हो सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आप जैसे विदुषी एवं रामभक्त के द्वारा ही यह संभव हो सकेगा। ज्ञात हो कि 19, 20 एवं 21 अप्रैल को तुलसी धाम श्री तुलसी जन्म भूमि राजापुर सुकरखेत, गोण्डा, (उ.प्र.) में आयोजित पंचम विश्व तुलसी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। 20 अप्रैल को डी.पी. विप्र महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजू शुक्ला को स्मृतिचिन्ह एवं प्रमाण पत्र से उनके साहित्यक एवं रामचरित मानस में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विश्व तुलसी सम्मान प्रदान किया गया। उपरोक्त सम्मेलन में विश्व भर से आए साहित्यकारों ने रामचरित मानस के रचयिता तुलसी के साहित्य पर चर्चा भी की थी। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. (श्रीमती) अंजू शुक्ला ने तुलसीदास की पुस्तक रामचरित मानस अवधि भाषा में सोलहवीं सदी में रचित प्रसिद्ध ग्रंथ है। इसकी रचना में दो वर्ष, सात माह, छब्बीस दिन का समय लगा था और इसे संवत् 1633 के मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष में रामविवाह के दिन पूर्ण किया था। इस ग्रंथ को अवधि साहित्य की एक महान कृति माना जाता है।

अब आउटर पर खड़ी नहीं होगी ट्रेनें रायपुर स्टेशन में विस्तार कार्य पूर्ण

रायपुर। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में ट्रेनों की आवाजाही आज से सामान्य हो गई है। इसके अलावा अब तक प्लेटफार्म खाली न होने के कारण आउटर में खड़ी रहने वाली ट्रेनें भी अब सीधे प्लेटफार्म में प्रवेश कर सकेगी।

रायपुर रेलवे स्टेशन से लगे वाल्टेयर लाईन के दोहरीकरण का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा रेलवे स्टेशन में प्लेटफार्म नंबर 7 भी बनकर तैयार हो गया है और इसे मुख्य लाईन से जोड़ लिया गया है। इन सभी कार्यों के लिए रेलवे ने पिछले दिनों मेगा ब्लॉक लिया था। इस ब्लॉक में रेलवे के सभी अधिकारियों ने अपनी-अपनी टीमों के साथ युद्ध स्तर पर काम करते हुए तय समय सीमा में ही काम पूरा कर लिया। परिणामस्वरूप अब रायपुर रेलवे स्टेशन पहले से ज्यादा आधुनिक हो गया है। रेलवे सूत्रों ने बताया कि मेगा ब्लॉक के चलते दर्जनों यात्री ट्रेनों को रद्द करना पड़ा था। इसके अलावा लंबी दूरी की कई ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा था। यात्रियों उरकुरा जाकर ट्रेनें पकड़नी पड़ रही थी, यह समस्या अब समाप्त हो गया है। रायपुर रेलवे स्टेशन से ही अब सभी ट्रेनों का संचालन हो रहा है।

प्लेटफार्म नंबर 7 के शुरू हो जाने के चलते अब रायपुर शहर के गुढ़ियारी, कोटा की ओर से आने वाले यात्री सीधे प्लेटफार्म में प्रवेश कर सकेंगे। इस प्लेटफार्म के शुरू हो जाने के कारण अब एक साथ कई ट्रेनों को प्लेटफार्म में स्टॉपेज दिया जा सकता है। अब तक प्लेटफार्म खाली न होने के कारण यात्री ट्रेनों को रायपुर रेलवे स्टेशन के आउटर पर खड़ी करने की मजबुरी बन जाती थी। यह समस्या भी अब समाप्त हो गया है। आज से रायपुर रेलवे स्टेशन से भी लोकल और पैसेंजर के साथ ही एक्सप्रेस व मेल ट्रेनों के पहिए वापस पटरी पर लौट आया है।

अवैध परिवहन पर की जा रही है लगातार कार्यवाही

कोरबा। खनिज विभाग कोरबा द्वारा गठित संयुक्त जाँच दल एवं टास्क फोर्स के माध्यम से जिले अन्तर्गत मुख्य खनिजों के साथ-साथ गौण खनिज रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण में कार्यवाही करते हुये विगत वर्ष 2022-2023 में कुल 259 प्रकरण दर्ज कर आरोपित अर्थदण्ड की राशि 49,99,385.00 रूपये शासन के राजस्व शीर्ष में जमा कराया गया है, साथ ही माह मार्च 2023 में खनिज - रेत परिवहन में विभाग द्वारा कोरबा जिलान्तर्गत नगरीय निकाय क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों भ्रमण कर ग्राम उरगा, रिद्धी चौक, सीतामणी, बरहमपुर, राताखार, बुधवारी चौक, केवरा, रजगामार, इंडस्ट्रीयल एरिया, रलिया, कुदुरमाल, लखनपुर, भटोरा, कटबितला, बरीडीह आदि क्षेत्रों से कुल 22 प्रकरण दर्ज कर अर्थदण्ड राशि 2,39,137.00 रूपये एवं माह अप्रैल 2023 में खनिज - रेत परिवहन में विभाग द्वारा कोरबा जिलान्तर्गत नगरीय निकाय क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों भ्रमण कर ग्राम बगदर, फरसवानी, बरबसपुर, सरगबुंदिया, दादर, डिगापुर, उरगा, कुकरीचोली, रिस्दी, कसरेंगा, तरदा, रविशंकर नगर कोरबा, चांदनी चौक बाकीमोगरा कटघोरा आदि क्षेत्रों से कुल 30 प्रकरण दर्ज कर अर्थदण्ड राशि 330773.00 रूपये खनि राजस्व मद में अर्थदण्ड जमा करवाया गया है। खनिज विभाग अवैध उत्खनन संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर कार्यवाही की जाती है। नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों पर खनिज अमलों की तैनाती कर नियमित एवं प्रभावी कार्यवाही विभाग द्वारा खनिज नियमों के तहत कार्यवाही की जा रही है।

प्रदेश का पहला रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बना बेलटुकरी

■ रीपा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था हो रही मजबूत, महात्मा गांधी के सपने हो रहे साकार : बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज मस्तूरी विधानसभा में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान ग्राम बेलटुकरी में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क रीपा का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि रीपा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज का सपना साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने महिला समूहों के सदस्यों से चर्चा कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने बेलटुकरी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में वाई-फाई सुविधा की शुरुआत करते हुए कहा कि इससे रीपा में कार्यरत लोगों को नि:शुल्क इंटरनेट की सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने इस माह की 5 तारीख को रीपा की गतिविधियों की समीक्षा के दौरान रीपा को वाईफाई सुविधा से लैस करने की घोषणा की थी। आज यहां वाई-फाई सुविधा का शुभारंभ होने के साथ बेलटुकरी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क इस सुविधा से लैस प्रदेश का पहला रीपा बन गया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा छोटे-छोटे उद्योग धंधों के लिए रीपा में पानी, बिजली, जमीन जैसी सभी जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, इसी कड़ी में आज बेलटुकरी में वाई-फाई सुविधा का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने बेलटुकरी रीपा में उत्पादित विभिन्न वस्तुओं के कैटलॉग का भी विमोचन किया। उन्होंने कहा कि रीपा के माध्यम से गांव के लोगों को जरूरी वस्तुएं आस-पास उपलब्ध हो रही हैं, जिसके कारण अब उन्हें दूर शहरों की ओर नहीं जाना पड़ता। बेलटुकरी रीपा में संचालित बेकरी यूनिट, बोरी सिलाई यूनिट, कपड़ा सिलाई यूनिट, दोना-पत्तल यूनिट के उत्पादों की अच्छी गुणवत्ता के कारण आसपास के शहर-गांवों से सप्लाई के आर्डर मिलने प्रारंभ हो गए हैं।

रीपा के अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री को आदर्श स्व सहायता समूह की निर्मला पटेल बताया कि यहां पर 1 महीने पूर्व शासन की मदद से 03 लाख रूपए की लागत से बेकरी यूनिट स्थापित की गई है। निर्मला ने बताया कि इस यूनिट के माध्यम से ब्रेड, केक और कुकीज़ का निर्माण कर आसपास के होटल और गांव में बिक्री करते हैं पिछले 15 दिनों में लगभग 10 हजार रूपए के बेकरी उत्पादों की बिक्री कर चुके हैं, जिससे 5 हजार का फायदा हुआ है। निर्मला ने बताया कि बिलासपुर के सी-मार्ट और आसपास के होटलों से 80 हजार रूपए का आर्डर भी मिला है। मुख्यमंत्री ने रीपा में बोरी सिलाई यूनिट का अवलोकन भी किया। जय मां वैष्णवी स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती शांति कैवर्त ने बताया कि एक महीने पहले शासन की मदद से 4.5 लाख की लागत से बोरी सिलाई यूनिट स्थापित की गई है। लगभग 12 सौ बोरी की बिक्री आस-पास के गौठान में कर चुके हैं जिससे 03 हजार रुपये का फायदा हुआ है। श्रीमती शांति ने बताया कि आसपास के गौठानो से 61 हजार 760 रुपये के लगभग 6 हजार बोरी का आर्डर मिल चुका है। मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा यहां दोना-पत्तल यूनिट के अवलोकन के दौरान वैष्णवी स्व-सहायता समूह की सदस्य ममता ने बताया कि समूह में 8 सदस्य हैं। शासन द्वारा ढाई लाख की लागत से दोना पत्तल मशीन इकाई स्थापित की गई है अब तक 150 बंडल दोना तथा 150 बंडल पत्तल का निर्माण कर 15 हजार रुपये के दोना-पत्तल की बिक्री कर चुके हैं, जिससे हम महिलाओं को 5 हजार रुपये का फायदा हुआ है।

भूपेश बघेल ने खोला अवैध शराब का धंधा : रमन

कांग्रेस के दो हजार करोड़ के घोटाले के खिलाफ भाजपा का प्रदेश भर में महाधरना

रायपुर। ईडी द्वारा 2 हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाले के खुलासे से प्रदेश सरकार के खिलाफ पूरे प्रदेश में उबाल आ गया है। छत्तीसगढ़ में जनता के इस आक्रोश की अभिव्यक्ति के रूप में 2,000 करोड़ रुपए के शराब घोटाले के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने पूरे प्रदेश में सरगुजा से लेकर बस्तर तक, गरियाबंद से लेकर मोहला मानपुर चौकी तक हजारों नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में महाधरना दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव जिले में आयोजित महाधरना प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार पर जमकर निशाना साधा। पत्रकारों से चर्चा करते हुए पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भ्र्ष्टाचार का ईडी ने जो प्रमाण सहित न्यायालय में दस्तावेज प्रस्तुत किया उसके आधार पर 2020-21 से 2021-22 तक दो हजार करोड़ से ज्यादा के घोटाले का साक्ष्य प्रमाण सहित ईडी ने जब्त किया है। साथ ही उन्होंने अवैध शराब को लेकर भी प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार 30 से 40% शराब अवैध रूप से बेच रही है, बिना होलो, वेट और एक्साइज ड्यूटी के सरकारी दुकान में पीसीएम के नाम से दो हज़ार करोड़ रूपए कलेक्ट किया। भ्रष्टाचार का इससे बड़ा प्रमाण नही मिलेगा कि सरकार खुद भ्रष्टाचार में लिप्त है।

इसके आलावा उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने सन 2017 में अवैध शराब को रोकने की पॉलिसी बनाई जिसे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सन 2019 में बदलकर अवैध शराब के धंधे के रास्ते खोल दिए।

कांग्रेस ने लुटा जनता का पैसा -बृजमोहन

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं रायपुर दक्षिण विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि बीते साढ़े चार साल में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने हजारों करोड़ के घोटाले किए हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़िवावाद के नाम पर जनता को बरगलाने की कोशिश की और दूसरी तरफ हजारों करोड़ का घोटाला करके छत्तीसगढ़ की जनता के हित में खर्च होने वाली राशि अपने जेबों में भर ली।जो पैसा लूटा गया है वो छत्तीसगढ़ की जनता का पैसा था उनके विकास में खर्च होता।

कोंडागांव में महाधरना में शामिल पूर्व मंत्री लता उसेंडी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा कोरोना काल में घर-घर शराब पहुंचाई जा रही थी, क्योंकि शराब घोटाले के माध्यम से कांग्रेस के नेताओं को कमीशन मिल रहा था, जो ईडी के माध्यम से अब सामने आया है। इस दौरान बस्तर संभाग के नारायणपुर जिला मुख्यालय में अवैध शराब से लदे एक ट्रक को पकड़ा गया। अवैध शराब से लदे ट्रक की धरपकड़ की खबर मिलते ही धरनारत भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं का जत्था सीधे उस जगह पहुंचा, जहां अवैध शराब जब्त की गई।

ये दाऊ नहीं है खाऊ है,भूपेश सरकार बिकाऊ है -ओपी चौधरी

रायगढ़ में एक दिवसीय धरना देते हुए 2000 करोड़ के शराब घोटाले के मद्देनज़र मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से इस्तीफे की मांग की। इस मौके पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और कांग्रेसी कुशासन की सच्चाई से लोगों को अवगत कराया। भाजपा प्रदेश महामंत्री ओपी चौधरी ने अपने उद्बोधन की शुरुवात ये दाऊ नहीं है खाउ है,भूपेश सरकार बिकाऊ है के गगन भेदी नारे के साथ की। उन्होंने कहा की इस सरकार में मानों प्रतिस्पर्धा चल रही हो नए नए घोटाले करने का,पूर्व में मेरे द्वारा सोशल मीडिया के मंच में प्रदेश में हो रही कोयले घोटाले की हकीकत सामने लाई थी, घोटाले बाजों पर कार्यवाही करने के बजाए उल्टे मुझ पर ही गैर जमानती धाराओं के तहत एफ आई आर दर्ज की गई।

बाबू भैया की कलम से

ओटीटी प्लेटफॉर्म का भारतीय संस्कृति पर हमला, रक्षा करो

राज्य व देश की सरकारें दोनों ही युवाओं के कल्याण की बहुत बातें करती हैं। उन्हें अगले चुनावों में इनके समर्थन की बहुत जरूरत भी पड़ेगी। कारण भी कोई छोटा नहीं बहुत बड़ा है। आज नए युवा वोटरों की संख्या सरकार पलटने की ताकत पा चुकी है। जिस दल ने इन पर ध्यान नहीं दिया उसका तो बस भगवान ही मालिक होगा। कांग्रेस ने तो बाकायदा राहुल गांधी के माध्यम से अपने दल को युवा बताते हुए प्रोग्रेस करने की बड़ी कोशिश भी की है। देश का आधा चक्कर पैदल घूम कर,यह बताने का प्रयास भी किया कि आज भी कांग्रेस ऊर्जा से भरपूर पार्टी है। कुछ सफलता भी मिली थी, पर अचानक उनकी आंतरिक राजनीति ने पलटी मारी और 80 साल के बुजुर्ग को पार्टी की कमान देकर युवा वर्ग में असमंजस की स्थिति पैदा कर दी। बावजूद इसके राहुल गांधी की सक्रियता आज भी युवाओं के बड़े वर्ग को प्रभावित कर रही है। इससे नकारा नहीं जा सकता। कांग्रेस को लाभ हो ना हो यह भविष्य पर निर्भर है लेकिन लाभ का प्रयास तो भरपूर किया जा रहा है। भाजपा हो ,卐आप卐 हो या अन्य कोई भी दल सभी युवाओं का गुणगान कर रहे हैं। कोई 2 करोड़ रोजगार देने की बात तो कोई लाखों बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने की बात करके और अनेक दल अपने अपने प्रलोभनों के माध्यम से युवाओं को लुभाने का प्रयोजन कर रहे हैं। कोई भारतीय संस्कृति का ध्वज हाथ में लेकर हिन्दू संस्कृति की रक्षा करता हुआ दिखाई दे रहा है,तो कोई जो कुछ देश में हो रहा है, सब ठीक है कि स्वतंत्रता का समर्थक बन युवाओं के मार्ग में बाधा बनना ही नहीं चाहता। युवा जो चाहे करें वे उनके पक्ष में ही बोलते हैं। वे जानते हैं कि बड़ा वोट बैंक तो अगले चुनाव में यहीं है। कोई भी दल किन्ही भी कारणों से इनके किसी भी कृत्य को गलत नहीं बताना चाहता। वास्तव में जब भी किसी की भी सरकार बनती है, चाहे वो राज्य में हो , या केंद्र में, वो युवाओं की बात तो बहुत करती है लेकिन साधन के अभाव में प्रभावी ढंग से कर कुछ नहीं पातीं। यह कटु सत्य है जरूर लेकिन मानते कोई भी नहीं। सभी कहते हैं हमने युवाओं के लिए बहुत कुछ किया है। जो किया उसका प्रचार भी उनके जनसंपर्क विभाग से जोरदार ढंग से किया जाएगा। हो क्या रहा है , हुआ क्या है ? वो सिर्फ सरकारें जानती हैं, और वे युवा जो इनसे प्रभावित होते हैं। जनता कभी इसका सच नहीं जान पाती। बस पोस्टर बैनर में सरकार की तारीफें पढ़-देख कर भ्रम में पड़ी रहती हैं। टीवी डिबेट में राजनैतिक दलों के प्रवक्तागण अपने आपको ही सच्चा बताने की होड़ करते रहते हैं। श्रोता कभी नहीं समझ पाते कि आखिर सच कौन बोल रहा है। निष्पक्षता के पक्षधर बन कर डिबेट का हिस्सा बनने वाले पत्रकार व समीक्षक भी अपने बयानों के आधार पर पहचाने जाते हैं, उन्हें भी आजकल कांग्रेसी व भाजपाई मान कर मानसिकता बना ली जाती है। बचा ही कौन जो जनता को सच का दर्शन कराए , सच्चा लगे ? जनता के सामने सब गड्ड मड्ड हो गया है। किसकी माने किसकी नहीं। राजनैतिक माहौल दिनों दिन खराब होता जा रहा है। सब अपने अपने एजेंडे के कारण सिर्फ वोटों पर नजर रखे हुए हैं।

नैतिकता,संस्कृति की रक्षा,निष्ठा,ईमानदारी,समर्पण जैसे शब्द सिर्फ और सिर्फ चर्चा में रह गए हैं। युवाओं पर पूरी नजर रखने वाली पार्टियां किन मायनों में उनकी रक्षा कर पा रहीं हैं। कोई बता नहीं पा रहा हैं। देश भर में नशे का बड़ा कारोबार खड़ा हो गया है। हम उसे ड्रग माफिया का नाम दे चुके हैं। कई बंदरगाहों में करोड़ों की नशीली दवाएं व नशे में प्रयोग की जाने वाली जान ले सकने वाली ड्रग पकड़ी जा रही हैं। पकड़ा जाना तो मीडिया बता भी देता है। कार्यवाही क्या हुई नहीं बता पाता। समझ यह बनती है कि कहीं ना कहीं मजबूर है। कभी कभी तो लगता है कि मीडिया में फॉलोअप का जमाना ही खत्म सा हो गया है। सिर्फ उसी खबर को आगे बढ़ाया जाता है जिसमे लाभ हानि का खाता जुड़ा रहता है , जनता तो अब यही मानती है। सब जानते हैं, युवा ही सबसे बड़ा नशे से प्रभावित होने वाला वर्ग होता है। शहरी संस्कृति में जीने वालों का तो जीवन ही भारतीय संस्कृति से दूर जाता दिखाई देने लगा है। कथित पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित लोग इस जीवन पध्दति को सही भी ठहराने लगे हैं। अब तो सबसे बड़ी समस्या तारों(केबल) के जरिये घर घर में घुस गई है। भारतीय संस्कृति का इसके प्रभाव में कबाड़ा ही होने लगा है। इसका नाम दिया गया है, ओटीटी प्लेटफॉर्म। कैसी कैसी फिल्में कैसे कैसे सीरियल इस प्लेटफॉर्म में दिखाई जा रहीं है उफ्फ। दुनिया भर में बोले जाने वाली सभी गालियां,भद्दे शब्द जो आप अपने बड़ों व बच्चों के सामने सुन भी नहीं सकते। वो धड़ल्ले से व पल पल में सुने-सुनाए जा रहे हैं। वो भी सपरिवार। कहाँ गई हमारी भारतीय संस्कृति और हमारी पारिवारिक मर्यादाएं, हमारी पवित्र आस्थाएँ, हमारा धर्म, हमारी पारिवारिक पवित्रता ? अब तो स्थिति ऐसी है कि इसको रोकने का प्रयास करने वाले नुकसान में रहेंगें, यह कहा जाने लगा है। इस अपसंस्कृति में युवा डूब रहे हैं, इसी में रमते जा रहे हैं। जो जो उसमें दिखाया जा रहा है, जो कहा जा रहा है ,जो परोसा जा रहा है,जो पिलाया जा रहा है, उसमें कहीं भी हमारे भारतीय संस्कृति की रंच मात्र भी झलक नहीं । तो क्या भारत का भविष्य युवा वर्ग भारत को पश्चिमी देशों की संस्कृति में ढाल देंगें और हम सब दर्शक मात्र रह जाएंगे? देश में भारतीय संस्कृति के रक्षकों की सरकार है,उत्तर प्रदेश में एक ऐसे योगी की सरकार है जिसे भारतीय संस्कृति का प्रतीक माना जा रहा है। क्या ये भी ओटीटी के मामले में कुछ नहीं बोलेंगे। बोलिये साहब कुछ तो बोलिये अन्य से तो हमें कोई उम्मीद नहीं आप तो बोलिये। सब मौन हो जाएंगे तो देश की संस्कृति की रक्षा कौन करेगा?

कांग्रेसियों ने फूंका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईडी का पुतला

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पूर्व ईडी द्वारा लगातार कांग्रेसी नेताओं के ऊपर कार्रवाई जारी रही है. इस बार ईडी ने रायपुर नगर निगम के मेयर एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है जिसमे अनवर ने प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए आत्महत्या की धमकी दी है साथ ही अदालत को बताया कि किस प्रकार ईडी के द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके परिजनों का नाम लेने दबाव बनाया जा रहा. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे ईडी का पुतला दहन कांग्रेसियों ने शहर के कचहरी चौक में किया। जहां सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कांग्रेसी कार्यकर्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्वष्ठ के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। जिला अध्यक्ष शरद लोहाना ने कहा कि केंद्र सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर कांग्रेस नेताओं को झूठे मामले में प्रताड़ित कर रही है। देश के सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की छवि खराब करने साजिश रची जा रही है. भाजपा सरकार राजनीतिक लाभ लेने के लिए विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए ईडी, केंद्रीय जांच ब्यूरो, सीबीआई सहित सभी संस्थानों का दुरुपयोग कर रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नहीं रोक सकती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता और सभी कांग्रेस के कार्यकर्ता मोदी सरकार के इस रवैये को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे.

छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार पड़ी धीमी

रायपुर। राज्य में कोरोना की रफ्तार काफी कम हो गई है। राज्य में 3265 सैम्पलों की जांच की गई जिनमें से मात्र 72 लोगों की रिपोर्ट पॉजेटिव मिली। सूत्रों ने बताया कि कोरोना संक्रमण अब काफी कम हो गया है। राज्य में इसके मरीज अब गिनते के ही बचे हैं। यदि लोगों ने इसी तरह जागरूकता बनाए रखी तो जल्द ही छत्तीसगढ़ राज्य कोरोना संक्रमण से मुक्त हो सकता है। बताया गया कि प्रदेश में कुल 3265 सेम्पलों की जांच की गई। इनमें से मात्र 72 लोगों में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसी तरह 160 मरीजों को उपचार के बाद छुट्टी दे दिया गया है। संक्रमित मरीजों में किसी की भी स्थिति गंभीर नहीं हुई। राहत की बात यह रही कि इस दौरान एक भी मौत हुई है। प्रदेश भर से मिले आंकड़ों के अनुसार-सबसे ज्यादा 18 कोरोना संक्रमित मरीज रायपुर जिले से मिले हैं। इसके बाद कोरिया जिले से 11 मरीज मिले हैं। इसी तरह दुर्ग जिले से 8 मरीजों की पुष्टि हुई है। बलौदा बाजार में 7 मरीज मिले हैं। सरगुजा से 6, धमतरी जिले से 3, बेमेतरा से भी 3 मरीज कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

ई.डी. पर भाजपा के एजेन्ट का आरोप अब प्रमाणित : भूपेश

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हेलीपेड पर पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि अभी तक हमारी ओर से ई.डी. के भाजपा एजेन्ट के रूप में कार्य करने का जो आरोप लगाया जा रहा था, अब वह प्रमाणित हो चुका है। ई.डी. अधिकारी मेरी छवि खराब करने के लिए किस कदर आमादा है, वह इससे पता लगता है कि कथित आबकारी घोटाले मे मेरा नाम झूठा फंसाने के लिए किसी व्यक्ति को इतना प्रताड़ित किया गया है कि उसे न्यायालय के समक्ष यह कहना पड़ा कि वह आत्महत्या कर लेगा । ई.डी. द्वारा प्रकरण के झूटी एवं षडयंत्र पूर्व विवेचना पूरी तरह प्रमाणित हो गई है तथा भाजपा नेता एवं ई.डी. अधिकारी पूरी तरह से बेनकाब हो चुके है। ई.डी. द्वारा उनके मीडिया ट्रायल के षडयंत्र अंतर्गत प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह तथ्य सार्वजनिक किया गया है कि राज्य के डिस्टलरो द्वारा स्वीकार किया गया है कि बड़ी मात्रा में बिना एक्साइज ड्यूटी पटाये शराब का विक्रय किया गया है। यदि यह मान भी लिया जाय कि ई.डी. का आरोप सही है तो सर्वप्रथम डिस्टलरों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्हें अब तक गिरफ्तार नहीं करने से प्रथम दृष्टया ही यह समझ में आता है कि दाल में कुछ काला जरूर है और यह भी लगता है कि ई.डी. अधिकारियों की डिस्टलरों से सेटिंग हो गई है। ई.डी. के प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर ए.सी.बी. से जांच अवश्य करायी जायेगी।

ईडी जांच में जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई होगीः साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि ईडी भ्रष्टाचार की जांच कर रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा, सब के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि यह घोटालों की सरकार है और इसकी पोल अब खुलती जा रही है। अब तक ईडी ने जो भी कार्रवाई की है, जो गिरफ्तारी की है, किसी की भी न्यायालय से जमानत नहीं हुई।इसका मतलब यह हुआ कि ईडी ने न्यायालय के सामने मजबूत साक्ष्य रखे हैं। इस कारण से जमानत नहीं हो रही और जांच लगातार जारी है। अब तक 221 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच करने की जानकारी ईडी ने सार्वजनिक की है। ईडी की कार्रवाई तथ्यों के आधार पर चल रही है। हम सब ने यह भी देखा है कि मुख्यमंत्री की उप सचिव की भी गिरफ्तारी हुई है। यह बता रहा है कि कहां तक भ्रष्टाचार का जाल फैला हुआ है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि ईडी प्रेस रिलीज करके तथ्यों के साथ जनता को बता रही है कि क्या क्या कार्रवाई की है। जिस प्रकार से ऑर्गेनाइज क्रिमिनल सिंडीकेट बनाकर इतना बड़ा शराब घोटाला किया है और इतने विशेषज्ञ हो गए हैं कि झारखंड सरकार इस सिस्टम को सीखने छत्तीसगढ़ आई। घोटालों के खुलने का सिलसिला प्रारंभ है। हम शुरू से कहते रहे हैं कि घोटाले दर घोटाले हो रहे हैं। आने वाले समय में और भी घोटाले सामने आएंगे।

लाइसेंस-आरसी बनते ही व्हाट्सअप पर मिलेगी सूचना

रायपुर। परिवहन सेवाओं को पारदर्शी बनाने आरटीओ ने नई व्यवस्था बनाई है। अब आरसी और लाइसेंस प्रिंट होने की जानकारी वाहन मालिकों को सीधे उनके व्हाट्सएप पर भी भेज दी जाएगी। नई व्यवस्था के तहत घर बैठे ही आरसी-लाइसेंस नंबर, आवेदक के नाम के साथ ट्रैकिंग नंबर और आरसी- लाइसेंस प्रिंट कब हुआ और उसे कब भेजा गया यह सभी जानकारी वाट्सअप मैसेज से मिल जाएगी। जैसा कि विदित है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन विभाग द्वारा 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' योजना में यह नयी सुविधा जोड़ दी गई है। जून 2021 से अब तक 19 लाख 28 हजार 916 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र और ड्राइविंग लायसेंस आवेदकों के घर भेजे जा चुके हैं। इनमें 13 लाख 14 हजार 768 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र तथा 6 लाख 14 हजार 148 ड्राइविंग लायसेंस शामिल हैं। परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर द्वारा 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' के सुव्यवस्थित संचालन के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा संचालित 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' योजना लोगों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। इसमें लोगों को परिवहन संबंधी 22 सेवाएं उनके घर के द्वार पर पहुंचाकर दी जा रही है। जन केन्द्रित इस सुविधा के अंतर्गत लोगों को अब परिवहन विभाग का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है।

राज्य सरकारों के खिलाफ मोदी सरकार के षडयंत्र को सुप्रीम कोर्ट का करारा तमाचा

रायपुर। महाराष्ट्र में शिंदे सरकार के गठन की प्रक्रिया और दिल्ली में प्रशासन चलाने की शक्तियों के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि आज सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर संघीय ढांचे पर लगातार चोट पहुंचाने वाली मोदी सरकार के अधिनायकवादी चेहरे को उजागर किया है। गैर भाजपा शासित चुनी हुई राज्य सरकारों के खिलाफ मोदी सरकार के द्वारा किए जा रहे षड्यंत्र सर्वविदित हैं। मणिपुर, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में जिस प्रकार से बलपूर्वक तख्ता पलट में राजभवन की संलिप्तता रही। संवैधानिक संस्थानों, केंद्रीय जांच एजेंसियों और धनबल का दुरूपयोग करके लोकतंत्र का गला घोंटा गया। आज माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में शिंदे सरकार के गठन की प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र के राजभवन को भी कटघरे में खड़ा किया है। कोर्ट ने कहा है कि राज्यपाल ने कानून के तहत काम नहीं किया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि तत्कालीन राज्यपाल ने निष्कर्ष निकालने में गलती की थी। यह पहली बार नहीं है जब मोदी सरकार ने राजभवन को दबाव पूर्वक संचालित करने का कोशिश प्रयास किया हो, इससे पूर्व भी मोदी सरकार के दबाव में महाराष्ट्र में आधी रात को राष्ट्रपति शासन खत्म कर दिया गया था, और भोर होने से पहले अल्पमत के बाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री की शपथ दिलाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसला ऐतिहासिक : केजरीवाल

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया। केजरीवाल ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश आया है वो दिल्ली की जनता के सहयोग का नतीजा है। अब हमें दिल्ली के लोगों को रिस्पॉन्सिव प्रशासन देना है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में दिल्ली में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होगा। केजरीवाल ने कहा कि जैसे ही हमारी सरकार बनी प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार से एक आदेश पारित कराया कि दिल्ली में काम करने वाले सभी अधिकारियों के ट्रांसफर और नौकरी से संबंधित सभी फैसले दिल्ली सरकार के पास नहीं रहेंगे। यानी अगर कोई रिश्वत ले रहा है तो हम उन्हें निलंबित भी नहीं कर सकते। इस आदेश का इस्तेमाल करके दिल्ली में कामों को जबरदस्ती रोका गया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कुछ दिनों में बहुत बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कुछ अधिकारी ऐसे हैं जिन्होंने पिछले डेढ़ साल में जनता के काम रोके, ऐसे कर्मचारियों को चिह्नित किया जाएगा और उन्हें अपने कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा। अरविंद केजरीवाल ने इसे ''लोकतंत्र की जीत'' करार दिया।

कांग्रेस प्रभारी शैलजा ने ली महापौर व सभापतियों की बैठक

रायपुर। कांग्रेस की प्रभारी कुमारी शैलजा, महापौर और सभापतियों की बैठक लेकर चुनावी रणनीति पर चर्चा किया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, एआईसीसी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी डॉ. चंदन यादव, एआईसीसी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सप्तगिरी शंकर उल्का, एआईसीसी के संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी विजय जांगिड़, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुये प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा कि कुछ दिन में विधानसभा चुनाव होने जा रहे है। 2024 का लोकसभा चुनाव होने जा रहे है। कर्नाटका के नतीजे आने वाले है। हमारे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी,

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वहां गये। लोकल मुद्दो के साथ राष्ट्रीय मुद्दे उठे। कांग्रेस ने जनता के मुद्दों को उठाया। कर्नाटका के भ्रष्टाचार, मोदी के भ्रष्टाचार, वायदाखिलाफी वहां कांग्रेस ने उठाया। भाजपा के वहां पर सिर्फ धर्म और सांप्रदायिकता के मुद्दे को उठाया। प्रधानमंत्री ने वहां पर ऐसी बातें कही जो देश के संविधान के मूल भावना के खिलाफ था दुर्भाग्य की इलेक्शन कमीशन भी चुप रहा। आप यहां तक पहुंचे है मेयर है, सभापति है यह उपलब्धि है।

कुमारी शैलजा ने कहा किआज पूरे देश के लोग कह रहे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार फिर से बनेगी। यह बताता है यहां हमारी सरकार ने काम किया है। आज भाजपा डरी है वह हमारी सरकार के खिलाफ सेंट्रल एजेंसी से लगाकर रखी है। षड़यंत्र किया जा रहा। हमें मोदी सरकार की वायदा खिलाफी को लेकर महंगाई के मुद्दे को जनता के बीच जाना है। आप सब जिम्मेदार पद पर है। लोगों की आपसे उम्मीदें ज्यादा है। चुनाव में समय कम बचा है। चुनाव सर पर आ चुका है। चुनाव के नजरिये से काम करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आप सब निर्वाचित पद पर जनता सेवा की महति जवाबदारी आप सब पर है। आप सब पर राज्य सरकार की योजनाओं को लागू करने की सीधी जिम्मेदारी है, ऐसे में आपके काम के आधार पर 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में हम शहरी क्षेत्रों में जायेंगे। हमारी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के साथ शहरी क्षेत्रों के लिये भी महत्वपूर्ण योजनायें बनाया है। उन सारी योजनाओं का लाभ जनता तक मिले यह सुनिश्चित करना महापौर और अध्यक्षों का काम है।

एआईसीसी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी डॉ. चंदन यादव ने कहा कि आपसे मिलने का उद्देश्य मिशन 2023, 2024 के लिये है। निगम क्षेत्रों के 23 विधानसभा सीटें है।

मुख्यमंत्री ने मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र में दी अनेक विकास कार्यों की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के सीपत में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने इसके तहत् मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 22 करोड़ 47 लाख रुपए से अधिक राशि के 13 विकास कार्यों का लोकार्पण और 74 करोड़ 51 लाख रुपए से अधिक राशि के 66 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस तरह कुल 96

करोड़ 99 लाख 27 हजार रूपए के 79 विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने वेदपरसदा से इटवापाली लंबाई 6.66 किमी, मस्तूरी से कोनी लंबाई 4.50 किमी, भिलौनी से शिवटिकारी लंबाई 3.24 किमी, टी 02 धनिया से परसाही 2.25 कि.मी. सड़क नवीनीकरण कार्य, टी 05 (मस्तूरी-मल्हार रोड) टी 03 जांजी नवागांव से मुडपार लंबाई 2 किमी, किरारी से भदौरा तक लंबाई 4.09 किमी, खुडुभाठा से कोसमडीह पहुंच मार्ग लंबाई 2.64 किमी सड़क नवीनीकरण कार्य, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय पंधी में अतिरिक्त कक्षों का अधोसंरचना उन्नयन कार्य, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.